Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 294 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, बुधवार 22 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अर्थकारी विद्या परमार्थ के लिए बाधक होती है।

Lucrative knowledge is hindrance to the final bliss.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छत्तीसगढ़ में बदलेगी नक्सल पुनर्वास नीति

लोकसभा चुनाव के बाद हो सकता है लागू, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिए संकेत

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार मिल रही सफलता से सरकार काफी उत्साहित है। सुरक्षाबल नक्सलियों की मांद में घुसकर उनके हौसले पस्त कर रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकार की नीतियों के कारण नक्सली बैकफुट पर हैं। इसका असर यह है कि बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत काफी सुविधाएं दी जाती है। अब छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार जल्द ही नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव कर सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसके संकेत दिए हैं। संभावना है कि लोकसभा चुनाव के बाद नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव की घोषणा की जा सकती है।

दरअसल छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार नक्सल पुनर्वास नीति को और बेहतर बनाना चाहती है और इसके लिए नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव की संभावनाओं पर विचार कर रही है। मौजूदा समय में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत किराए का मकान दिया जाता है। साथ ही पुनर्वास के तहत दी जाने वाली नकद राशि, रोजगार, शिक्षा समेत अन्य सुविधाएं दी जाती है। प्रदेश में संभावित बदलाव के तहत आत्मसमर्पितों नक्सलियों को निवास के लिए मनचाहे शहर या गांव का विकल्प दिया जा सकता है। पूरा परिवार रह सके ऐसा मकान, कौशल योजना के तहत रोजगार का प्रशिक्षण व रोजगार तथा स्वरोजगार चाहने वालों को कम ब्याज पर लोन दिया जा सकता है। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सलियो के खिलाफ दर्ज मामलों को कोर्ट में सुलझाने में पुलिस मदद करेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा- डबल इंजन की सरकार का कमाल : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा नक्सली मोर्चे पर मिल रही सफलता से उत्साहित हैं। राजधानी रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सब डबल इंजन सरकार की वजह से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल तीन से चार महीने में 112 नक्सली मारे गए हैं। इस दौरान लगभग पौने चार सौ नक्सलियो ने आत्मसमर्पण किया हैं। यही नहीं 153 नक्सली गिरफ्तार भी हुए हैं। धुर नक्सल क्षेत्रों में 28 कैंप खुले हैं। सुरक्षाबलों की सर्चिंग में 143 आईडी बरामद किए गए हैं। सीएम साय ने कहा कि यह सब हमारी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बहुत ही गंभीर है। तीन वर्ष के भीतर नक्सलियों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस रोडमैप को हरी झंडी दी है, उसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा आगे बढ़ा रहे हैं। सीएम साय ने कहा कि बहुल जल्द बदलाव देखा जा सकता है।

वर्तमान में पुनर्वास नीति के तहत यह है प्रावधान

वर्तमान में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन के लिए 25 हजार रुपए नगद राशि देने का नियम है। नक्सल पीड़ित के समान ही आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुविधाएं देने का प्रावधान है। सक्रिय, पांच लाख या अधिक के इनामी नक्सली को आत्मसमर्पण पर 10 लाख की राशि पृथक से देने तथा समर्पित हथियार के बदले मुआवजा राशि का प्रावधान है। सरकार द्वारा यह राशि बैंक में सावधि जमा की जाती है और इसका ब्याज समर्पित नक्सली को मिलता है। तीन साल बाद नक्सलियों के आचरण को देखकर यह राशि दी जाती है। समर्पित नक्सली तीन वर्ष के भीतर खेती के लिए जमीन लेता है तो उसे दो एकड़ तक भूमि पर स्टांप ड्यूटी व पंजीयन शुल्क में पूर्ण छूट देने का भी प्रावधान है।

पंजाब में आप को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुए पूर्व एमएलए जगबीर सिंह बराड़

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब में लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के महत्वपूर्ण नेता रहे पूर्व विधायक जगबीर सिंह बराड़ ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मौजूदगी में जगबीर सिंह बराड़ ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बराड़ एक साल पहले ही शिरोमणि अकाली दल छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। तरुण चुग ने जगबीर सिंह बराड़ का पार्टी में स्वागत करते हुए सिख समाज और पंजाब के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए कामों को गिनाया। वहीं भाजपा में शामिल होने के बाद बराड़ ने पंजाब में भाजपा की मजबूती के लिए काम करने की बात कहते हुए आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार राज्य में कोई काम नहीं कर रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राहुल ने कहा- उनकी आकांक्षाएं पूरी करना मेरी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनके बेटे व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि राजीव गांधी की आकांक्षाएं पूरी करना उनकी जिम्मेदारी है। राहुल गांधी ने अपनी भावनात्मक पोस्ट साझा की है जिसमें उन्होंने लिखा, पापा, आपके सपने, मेरे सपने, आपकी आकांक्षाएं, मेरी ज़िम्मेदारियां। आपकी यादें, आज और हमेशा, दिल में सदा।

राजीव गांधी वर्ष 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री थे। साल 1991 में उनकी हत्या कर दी गई। उनकी हत्या तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर के एक चुनावी रैली के दौरान की गई थी। यहां लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के सदस्यों ने आत्मघाती बम विस्फोट के जरिए राजीव गांधी को मारा था।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी ने दिल्ली में वीरभूमि पर उनको श्रद्धांजलि दी। वीर भूमि पहुंचने वाले कांग्रेस नेताओं में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और सचिन पायलट समेत कई कांग्रेस नेता शामिल रहे।

राजीव गांधी को याद करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया के जरिए कहा, 21वीं सदी के आधुनिक भारत के स्वप्नद्रष्टा, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायती राज सशक्तिकरण के सूत्रधार, एवं शांति व सद्भाव के पुरोधा, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न राजीव गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। भारत को एक सुदृढ़ एवं सशक्त राष्ट्र बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, देश में संचार क्रांति के जनक और शांति-सद्भाव के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। अपनी क्रांतिकारी और दूरदर्शी नीतियों से आधुनिक भारत के निर्माण में आपका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

हुड्डा को रोहतक का नहीं, सिर्फ अपने बेटे का विकास चाहिए : जेपी नड्डा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के घर रोहतक में 'शक्ति प्रदर्शन' किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रोहतक लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा के समर्थन में भव्य रोड शो निकाला और भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी तीखे हमले किए। नड्डा ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच रोड शो में उमड़े जनसैलाब ने बता दिया कि देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

रोहतक में दो किलोमीटर तक चला भाजपा अध्यक्ष का रोड शो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जनसमर्थन बता रहा 'एक बार फिर मोदी सरकार'। उन्होंने कहा कि इस बार 400 पार और देश में एक मजबूत सरकार। जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि हुड्डा को प्रदेश और रोहतक का नहीं, बल्कि सिर्फ अपने बेटे का विकास चाहिए।

झारखंड में जब भी झामुमो-कांग्रेस की सरकार बनी, यह प्रदेश भ्रष्टाचार में डूब गया : राजनाथ सिंह

बोकारो (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बोकारो में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस पर जोरदार हमले किए।

उन्होंने कहा कि खनिज संपदा के मामले में देश के सबसे संपन्न झारखंड में जब भी झामुमो-कांग्रेस की सरकार बनी, यह भ्रष्टाचार में डूब गया। आज मुख्यमंत्री और मंत्रियों के पीएस एवं करीबियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकल रही हैं, जबकि इसी प्रदेश में जब भाजपा के बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास मुख्यमंत्री रहे तो उनके दामन पर

भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं लगा। राजनाथ सिंह ने धनबाद के बीजेपी प्रत्याशी ढुल्लू महतो को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि वे संसद पहुंचेंगे तो प्रमुखता से आपकी आवाज संसद के सामने रखेंगे। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी एवं मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्री गरीबी हटाने का राग अलापते रहे, लेकिन, कोई फर्क नहीं पड़ा। दूसरी तरफ हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने पिछले नौ वर्षों में 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला।

सपा-कांग्रेस में तुष्टीकरण की प्रतियोगिता, मोदी का मंत्र है विकास के साथ विरासत : पीएम मोदी

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक चुनावी सभा में समाजवादी पार्टी पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवा कभी भूल नहीं सकते कि सपा सरकार उनके सपनों के साथ कैसे सौदा करती थी। मेहनत और योग्यता के बावजूद उनको नौकरी नहीं मिलती थी। इनके शासनकाल में नौकरी जाति देखकर और घूस देने वालों को मिलती थी। उन्होंने कहा कि जो लोग भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हैं, जिन्हें अदालत ने दोषी साबित किया है, इन लोगों की आंखों में मोदी चौबीसों घंटे खटकता है। इनकी लाख कोशिशों के बावजूद मैं आपकी सेवा में डटा रहूंगा। मैं दिल से जनता की सेवा करता हूं, देश की जनता से मेरा दिल का रिश्ता है, इसलिए हर दिल में मोदी है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सपा सरकार में माफिया गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। अब उनके अवैध महल तोड़कर भाजपा सरकार गरीबों के लिए घर बनवाती है। प्रयागराज में होने वाले कुंभ के दौरान इनके कार्यकाल में भगदड़ मच जाती थी। लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती थी। हर तरफ अव्यवस्था होती थी। उन्हें कुंभ से ज्यादा अपने वोट बैंक की चिंता रही है। अगर कुम्भ के लिए ज्यादा कुछ करते दिख गए तो कहीं उनका वोट बैंक बुरा न मान जाए। सपा-कांग्रेस में तुष्टिकरण का कंपटीशन होता था।

पीएम मोदी ने कहा कि मोदी का मंत्र है, विकास भी विरासत भी। अभी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है, अब निषादराज के श्रृंगवेरपुर का विकास किया जाएगा। श्रृंगवेरपुर राम मन गमन पथ का प्रमुख तीर्थ बनेगा। क्या सपा-कांग्रेस वाले कभी भी ये काम करेंगे? सपा-कांग्रेस के शहजादों को अपने परिवार के आगे कुछ भी दिखता नहीं है। सपा-कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को भारत की तारीफ हजम नहीं होती। कांग्रेस के शहजादे भारत को गाली देने के लिए विदेश जाते हैं। ये इंडी गठबंधन वाले चुनाव भी किस एजेंडा पर लड़ रहे हैं? इनका एजेंडा है कि कश्मीर में आर्टिकल-370 फिर लगाएंगे। सीएए को रद्द करेंगे। भ्रष्टाचार पर जो कड़े कानून बने हैं, उन्हें रद्द करेंगे। मैं आपको गारंटी देता हूं कि मैं आपके लिए दिन-रात मेहनत करूंगा।

4 जून के बाद पीएम नहीं रहेंगे मोदी, हेमंत सोरेन और मैं जेल के बाहर होंगे : केजरीवाल

जमशेदपुर (आरएनएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को जमशेदपुर में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 4 जून के बाद नरेंद्र मोदी इस देश के प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। इस तारीख के बाद केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और इसके बाद अरविंद केजरीवाल एवं हेमंत सोरेन दोनों जेल के बाहर होंगे। केजरीवाल ने कहा कि हेमंत सोरेन ने न कोई जुर्म किया और न ही किसी अदालत ने उन्हें दोषी कहा। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने साजिश करके उन्हें जेल भेज दिया। उन्हें लगा था कि हेमंत सोरेन और मुझे जेल भेज देंगे तो हमारी पार्टियां टूट जाएंगी और हमारी सरकारें गिर जाएंगी, लेकिन, उलटे हमारी पार्टियों के नेता-कार्यकर्ता एकजुट हो गए।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव का ऐलान, 28 जून को होंगे चुनाव

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद राष्ट्रपति की सीट खाली हो गई है। इस बीच ईरान की सरकार ने राष्ट्रपति चुनाव का ऐलान कर दिया है। देश का 14वां राष्ट्रपति चुनाव 28 जून को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, न्यायपालिका, सरकार और संसद के प्रमुखों की बैठक में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख तय की गई। प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलीकॉप्टर ईरान के उत्तर पश्चिम प्रांत ईस्ट अजरबैजान के पहाड़ी इलाके में लापता हो गया था। सुबह उसका मलबा बरामद हुआ। हादसे में राष्ट्रपति और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन समेत टीम के सदस्यों की मौत की पुष्टि हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति के पास मात्र 50 दिन तक ही सत्ता संभालने का अधिकार रहता है।

इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने एनएमडीसी वेंडर पोर्टल का हैदराबाद में किया शुभारंभ

हैदराबाद (विश्व परिवार)। इस्पात सचिव श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा ने एनएमडीसी के वेंडर चालान प्रबंधन और स्वयं सेवा पोर्टल का सोमवार को हैदराबाद में कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में शुभारंभ किया।

अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा पर आगे बढ़ते हुए, एनएमडीसी ने पारदर्शिता और व्यावसायिक सद्भाव को बढ़ाते हुए खरीद के समय-चक्र को सुव्यवस्थित करते हुए, कंपनी के साथ जुड़ने के लिए विक्रेताओं के लिए एक सहज इंटरफ़ेस बनाने और लागू करने का रणनीतिक निर्णय लिया।

श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा को कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन- श्री अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार); श्री दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन); श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी); और श्री बी विश्वनाथ, सीवीओतथा वेंडरों के साथ संबंधित एनएमडीसी अधिकारियों द्वारा पोर्टल की जानकारी प्रदान की गई। वेंडर पोर्टल के लाइव होने पर टीम एनएमडीसी को बधाई देते हुए श्री नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने कहा कि एनएमडीसी को इसके सुस्थिर व्यापार प्रथाओं के लिए जाना जाता है और इस प्रकार की पहल पारदर्शिता और जवाबदेही के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए वेंडर सहभागिता को प्रोत्साहित करेगी। वेंडर इंटरैक्शन रूट में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर एनएमडीसी ने उद्योग के लिए नई दिशाएं तय की हैं।

श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि दक्षता और पारदर्शिता के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय खनन कंपनी के रूप में एनएमडीसी हर परिस्थिति में आगे रहने का प्रयास करता है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म जिम्मेदार खनन के प्रति हमारे संकल्प का एक प्रमाण है!

एनएमडीसी ने 45 मीट्रिक टन उपलब्धि के उत्साह के साथ वित्त वर्ष 25 में एक सकारात्मक शुरुआत की है। इस्पात सचिव ने एनएमडीसी के प्रदर्शन और चालू वित्त वर्ष के लिए बनाई जा रही योजनाओं की समीक्षा भी की।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 22 मई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

संक्षिप्त समाचार

अधिकतम तापमान में वृद्धि की चेतावनी, दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश के रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर संभाग के जिलों में आगामी 48 घंटे में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री के मध्य रहने की संभावना व्यक्त करते हुए अलर्ट जारी किया गया है। विभाग द्वारा इन क्षेत्रों के नागरिकों को दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 4 बजे के बीच घर या कार्य स्थल से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। प्रभाव एवं आवश्यक कार्यवाही- पानी और उपयुक्त तरल पदार्थ का सेवन करते रहें। अनावश्यक रूप से धूप में न निकलें, विशेषकर दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 4 बजे की बीच। हल्के रंग के कॉटन कपड़े पहने व पूरे शरीर को ढंककर रखें। यदि कोई व्यक्ति लू से प्रभावित है तो उस व्यक्ति को छाया के नीचे ठंडी जगह पर लिटाएं। उसे गीले कपड़े से पोंछे या शरीर को बार -बार धोएं। सामान्य तापमान का पानी सिर पर डालें।

चेंबर प्रदेश उपाध्यक्ष महेश बंसल एवं प्रदेश मंत्री निलेश मूंधड़ा ने इंडियन इंडस्ट्रीज एसो. द्वारा आयोजित ए-20 वर्चुअल बैठक में भाग लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित ए-20 वर्चुअल बैठक में छत्तीसगढ़ चेंबर का प्रतिनिधित्व करते हुए चैंबर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री महेश बंसल एवं प्रदेश मंत्री श्री निलेश मूंधड़ा जी शामिल हुए। बैठक में प्रदेश में स्थित एमएसएमई उद्योगों के लिए फ्री होल्ड नीतियों पर चर्चा की गई। चेंबर उपाध्यक्ष श्री महेश बंसल जी ने बताया कि इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा आयोजित ए-20 वर्चुअल बैठक के माध्यम से राज्यों में स्थित एमएसएमई उद्योगों को सरकारी उद्यमों के अंतर्गत लाने तथा एमएसएमई से संबंधित आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को भी लाभ पहुंचाने की बात कही गई। चेंबर प्रदेश मंत्री श्री निलेश मूंधड़ा जी ने बताया कि बैठक में एमएसएमई उद्योगों के लिए फ्री होल्ड नीतियों को इकट्ठा करने और एमएसएमई क्षेत्र के लाभ के लिए केंद्र सरकार के समक्ष अपनी बात रखने का पारस्परिक रूप से निर्णय लिया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से उपस्थित प्रदेश मंत्री श्री निलेश मूंधड़ा जी को इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व करने नामित किया गया। उक्त बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर 20 राज्यों के प्रतिनिधि एवं विभिन्न व्यापारिक-औद्योगिक संगठनों के प्रमुख उपस्थित रहे।

विधायक राजेश मूणत ने भाजपा की बाइक रैली का किया नेतृत्व, जनता से संबित पात्रा और जयंत कुमार सारंगी के लिए मांगे वोट

राजेश मूणत ने किया दावा- ओड़िशा में बनेगी भाजपा की सरकार

पुरी/ओडिशा (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा विधायक राजेश मूणत बीते कई दिनों से ओड़िशा के पुरी में भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्हें रोज अलग- अलग अंदाज़ में जनसंपर्क करते देखा जा रहा है। मतदान के लिए महज 3 दिनों का वक़्त बचा है, ऐसे में उन्होंने चुनाव प्रचार में अपनी ताक़त झोंक दी है। मंगलवार को राजेश मूणत ने स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मोटरसाइकिल रैली में हिस्सा लिया। इस दौरान वह खुद दुपहिया वाहन चलाते नज़र आए।

विधायक राजेश मूणत ने सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बाइक रैली का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरी शहर के कई हिस्सों में भ्रमण करके आम जनता से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

राजेश मूणत ने बताया कि संपूर्ण पुरी की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल से बेहद प्रसन्न हैं। भगवान जगन्नाथ के भक्तों ने तय कर लिया है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले नरेंद्र मोदी को पुन: देश की बागडोर सौंपना हैं। उन्होंने बताया कि वह आम जनता को यह भी बता रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही मोदी की हर गारंटी को पूरा किया गया है। ओडिशा में भी ऐसा ही होगा।

उन्होंने कहा कि सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुरी आये थे। जनता ने उनका भव्य स्वागत किया। मोदी जी के रोड शो में उमड़ा यह हुजूम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पुरीवासी हर एक बूथ पर कमल खिलाकर तीसरी बार मोदी सरकार और ओड़िसा में पहली बार भाजपा सरकार बनाने जा रहे हैं।

मूणत ने कहा कि पुरी के लोगों को पता है कि संबित पात्रा और जयंत कुमार सारंगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर गारंटी को पूरी करने में अपनी ऊर्जा लगा देंगे, क्योंकि देशभर यह जान चुकी है कि भाजपा जो कहती है, वह करती है। उन्होने बीजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि नवीन बाबू के बोरिया बिस्तर समेटने का वक़्त करीब आ चुका है। ओडिशा में कमल खिलने वाला है।

ज्ञात हो कि ओडिशा की पुरी में छठवे चरण के तहत 25 मई को वोटिंग होगी। यहाँ पुरी लोकसभा सीट से भाजपा के संबित पात्रा और पुरी विधानसभा सीट से जयंत कुमार सारंगी चुनाव लड़ रहे हैं। विधायक राजेश मूणत लगातार इन दोनों प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार कर है।

कलेक्टर ने आतंकवाद और हिंसा का विरोध करने सरकारी कार्यालयों में दिलाई शपथ

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर आज जिला कार्यालय सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ ली। इस दौरान सँयुक्त जिला कार्यालय में सुबह 11 बजे कलेक्टर के एल चौहान ने सभी विभागों के कार्यालयीन अधिकारी- कर्मचारियों को आतंकवाद से लड़ने एवं देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखने, सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलायी। इस मौके पर सँयुक्त कलेक्टर मिथिलेश डोण्डे, सीमा ठाकुर सहित सभी विभाग के जिला अधिकारी गण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है इसका उद्देश्य यह दर्शाना है कि आतंकवाद किस तरह राष्ट्रीय हित के विरूद्ध है, युवाओं को आतंक और हिंसा के रास्ते से दूर करना है।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर राजभवन में ली गई शपथ

रायपुर (विश्व परिवार)। आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर आज यहां राजभवन में सचिवालय की उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का विरोध करने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई। अधिकारियों ने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास बनाए रखने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन के मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली शक्तियों से लड़ने की भी शपथ ली।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

राजस्व बढ़ाने को लेकर कही ये बात

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को राज्य की जीडीपी में ऐतिहासिक वद्धि का दावा करते हुए राजस्व बढ़ाने के मामले में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले सरकार ने व्यवस्था को बिगाड़ने का काम किया था, ताकि भ्रष्टाचारियों के जेब में ज्यादा पैसा डाल सके। इससे सरकार के खजाने में पैसा ऑटोमेटिक कम आया। इस कारण इसे सुधारने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राजस्व बढ़ाने को लेकर कहा कि, कर प्रणाली में पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता आती है, टेक्नोलॉजी आती है, व्यवस्था सुधरता है, तो सरकार के खजाने में ज्यादा पैसे जाता है और भ्रष्टाचारियों के जेब में पैसा कम जाता है। दुर्भाग्य से पिछले सरकार ने व्यवस्था को बिगाड़ने का काम किया था, ताकि भ्रष्टाचारियों के जेब में ज्यादा पैसा डाल सके। इससे सरकार के खजाने में पैसा ऑटोमेटिक कम आया। इस कारण से इसे सुधारने के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि, टेक्नोलॉजी प्रयोग कर पारदर्शिता लाने का उद्देश्य, ईमानदार टैक्सपेयर्स को प्रोत्साहित करना है। हमारे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह सरकार लगातार कदम उठा रही है, निश्चित रूप से व्यवस्था में सुधार आएगा। ईमानदार टैक्स-पेयर्स को प्रोत्साहित किया जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क के लिए अधिक राशि भी दी जाएगी।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेश के जीडीपी को लेकर कहा कि, आने वाले 5 सालों में 5 लाख करोड़ से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ पहुंचाना है। यह हम सुनिश्चित कर सकें, इसलिए इन्वेस्टर का आना बहुत जरूरी है। कहां-कहां, क्या-क्या संभव है, उस दृष्टिकोण से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इससे निश्चित रूप से परिणाम बेहतर आएंगे। विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में इन्वेस्ट भी होगा जीडीपी भी एक ऐतिहासिक तरीके से आगे बढ़ेगी।

वित्त मंत्री ने रजिस्ट्री की प्रक्रिया में बदलाव और सरलीकरण को लेकर कहा कि, पूरे रजिस्ट्री की प्रक्रिया में सुधार के लिए प्रयास किया जा रहा है। आम जनता को टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए आसानी से सुविधा उपलब्ध हो सके, इसकी कोशिश की जा रही है। साथ ही व्यवस्था में जो कुछ गड़बड़ियां हैं, जिससे लोगों को गड़बड़ी करने का मौका मिलता है, उन सब पर सुधार की दिशा में भी बड़े स्तर की परियोजना बनाई जा रही है।

आरटीई के तहत दाखिला दिए बच्चों का स्कूलों में न हो भेदभाव : कलेक्टर

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार संबंधी समीक्षा बैठक सम्पन्न

ड्राप आउट बच्चों की जानकारी के लिए होगी साप्ताहिक समीक्षा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री के. एल. चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार पर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने जिले के समस्त अशासकीय स्कूलों में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अन्तर्गत निर्धारित पात्रता अनुसार बच्चो के प्रवेश एवं ड्रॉप आउट बच्चों की जानकारी संकलित करने पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अन्तर्गत प्रवेश दिए गए बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह शिक्षा प्रदान करने पर जोर देते हुए इन बच्चों पर किसी प्रकार की भेदभाव नहीं करने कहा।

कलेक्टर श्री चौहान ने कहा कि आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चे भले ही आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं लेकिन उनमें प्रतिभा की कमी नहीं होती। जो बच्चे किसी कारणवश औसत स्तर पर पहुंच जाते है उन्हें प्रतोत्साहित करते हुए उपचारत्मक शिक्षा दें। बच्चों में किसी प्रकार की हीन भावना न आने दें। उन्होंने कहा कि सभी अशासकीय स्कूलों में आरटीई का व्यापक प्रचार प्रसार के लिए फ्लेक्स या दीवार लेखन कराएं जिसमें आरटीई के तहत प्रवेश देने एवं उपलब्ध सीटों की संख्या का भी उल्लेख हो। कलेक्टर ने आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों के ड्राप आउट की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बच्चों की संख्या तथा ड्राप आउट के कारणों की जानकारी के लिए सभी अशासकीय स्कूलों में प्राचार्य या शिक्षक को साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस समीक्षा से हर सप्ताह पता चल जाएगा कि कौन विद्यार्थी अनुपस्थित रह रहा है। उस बच्चे के अनुपस्थिति के कारण का पता लगाकर उचित निराकरण किया जाए।

बताया गया कि जिले में लगभग 210 अशासकीय स्कूल संचालित है जिनमे आरटीई के तहत प्रवेश के लिए लगभग 1952 सीटें आरक्षित हैं। इस वर्ष इन स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए 5हजार 589 आवेदन प्राप्त हुए है जिनमे से 4006 आवेदन पात्र पाए गए है। पात्र आवेदनों में से बच्चों का प्रवेश लॉटरी पद्धति से होगा। प्रवेश के लिए लॉटरी की प्रक्रिया जारी है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय सहित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं अशासकीय स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे।

मैट्स विवि का अंग्रेजी विभाग अंतिम वर्ष के बीए अंग्रेजी ऑनर्स और एमए अंग्रेजी छात्रों के लिए विदाई-2024 की मेजबानी की

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग ने बीए इंग्लिश ऑनर्स के अंतिम वर्ष के छात्रों को समर्पित एक हार्दिक उत्सव फेयरवेल 2024: सयोनारा का आयोजन किया और एमए अंग्रेजी, विदाई 18 मई, 2024 को ट्राइटन होटल में हुई।

विदाई हमारे अंग्रेजी विभाग की जीवंत भावना और रचनात्मकता को दर्शाते हुए उदासीन क्षणों, प्रेरक भाषणों और आनंददायक प्रदर्शनों से भरी हुई थी। जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया और उन्हें विदाई उपहार दिए। मिस्टर एवं मिस की विदाई आशीष ध्रुव एवं रुमैसा खान को दी गई।

स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना दास सर्खेल ने दिया, जहां उन्होंने कार्यक्रम और विभाग के छात्रों के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। छात्रों ने अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान जुनून और समर्पण दिखाया है और फेयरवेल 2024: सयोनारा विभाग का उनकी कड़ी मेहनत को स्वीकार करने और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करने का तरीका था। मैट्स यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार श्री गोकुलानंद पांडा ने छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

अंग्रेजी विभाग की सुश्री दर्शिका चौधरी, सुश्री रुखसार परवीन और डॉ. सजल ठाकुर संकाय ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि विभाग उनकी मदद के लिए हमेशा मौजूद रहेगा।

रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित मैट्स विश्वविद्यालय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता के माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंग्रेजी विभाग व्यापक कार्यक्रम पेश करता है जो आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और साहित्य और भाषा के प्रति गहरी सराहना को प्रोत्साहित करता है। इस कार्यक्रम में मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया जी, कुलपति प्रोफेसर डॉ. केपी यादव, प्रो वाइस चांसलर डॉ. दीपिका ढांड, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया जी और रजिस्ट्रार श्री गोकुलानंद पांडा की उपस्थिति रही। इन सभी ने छात्रों को उनके जीवन और करियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

सड़क दुर्घटना में ग्राम सेमरहा के मृतको की अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

ग्राम सेमरहा में एक साथ 17 लोगों का हुआ दाह संस्कार

कवर्धा (विश्व परिवार)। सोमवार को दोपहर बाहपानी में सड़क दुर्घटना में 19 लोगो की मौत की खबर से पूरे अंचल में शोक व्याप्त है। घटना की सूचना के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशन में फौरन जिला प्रशासन का अमला व्यवस्था में लग गया था। घटना की सूचना पाने के बाद उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने सभी कार्यक्रम स्थगित कर रायपुर से घटना स्थल पहुँचे इस दौरान पंडरिया स्वास्थ् केंद्र में जाकर घायलों से भेंटकर चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने घटना स्थल जाकर दुर्घटना के कारणों को जानने की कोशिश की और देर रात तक सेमरहा मे रहकर एक एक मृतको के घर जाकर परिजनों को हौसला देते रहे।

परिजनों ने अपने रीति रिवाज के तहत मंगलवार सुबह अंत्येष्टि कार्यक्रम रखा था। इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी उपमुख्यमंत्री अंतिम समय तक ग्राम वासियों परिजनों के साथ खड़े रहे।

बाहपानी के पास सड़क दुर्घटना में 19 लोगों आकस्मिक निधन दु:खद, इस दुख की घड़ी में हर संभव मदद होगी: विजय शर्मा

विजय शर्मा ने शोक सभा में श्रद्धांजलि देते हुए कहा यह समय बहुत पीड़ा दायक है ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कही भी और कभी भी ऐसा घटना न हो। उन्होंने कहा इस दुर्घटना में सर्वाधिक माताओं का देहावसान हो गया पूरे गाँव में सबने अपना कोई नजदीकी खोया है मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं अपने परिवार के किसी सदस्य को खोया है।मैं बूढ़ा देव से पार्थना करता हूँ इस दु:ख की घड़ी से निकलने के लिए ईश्वर संबल प्रदान करें।

उन्होंने कहा इस घटना ने न केवल छत्तीसगढ़ वासी बल्कि पूरा देश ने अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू जी, गृह मंत्री अमित शाह जी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी अपनी संवेदना व्यक्त की है स्थानीय विधायक भावना बोहरा जी बाहर है वे भी अपने ओर से मदद कर रहे है।

मा.मुख्यमंत्री जी ने परिजनों से मोबाइल के माध्यम से मृतक परिजनों से बात कर 5 लाख प्रति मृतक एवं घायलों को 50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा देर रात तक अस्पताल जाकर मैंने घायलों से भेंट की एक जो रायपुर रिफर है उनको ऑपरेशन की जरूरत है उनके लिए भी बेहतर ईलाज की व्यवस्था कर ली गई है। आज इस अवसर पर मृतको के स्मृति में कुछ बन जाये ऐसी इकच्छा परिजनों से व्यक्त की है वो सब जो गावँ वाले चाहते उसकी भी जल्द व्यवस्था बन जायेगा। जैसा गावँ वाले, परिजन निर्णय लेंगे उस पर सहयोग करने हम सब साथ खड़े हैं। उन्होंने इस पूरा घटना पर अश्रुपूरित श्रदांजलि देते हुए परिवार जनों को ढाँढस बंधाया।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 108 दिनांक 21.05.2024
वार्ड का नाम- मां परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **25** मांग **पंजी क्र. 422 युआईडी 32049** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बिरझुराम पटेल / स्व. मनबोध पटेल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कमलनारायण पटेल / संतराम पटेल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **20-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 107 दिनांक 21.05.2024
वार्ड का नाम- डॉ. राधाकृष्णन वार्ड
वार्ड क्र. 22 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **22** मांग **पंजी क्र. 126 युआईडी 23280** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रामवती ध्रुव / ओ. सिंह ध्रुव** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **उमेश ध्रुव / ऊसिंग ध्रुव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **20-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार,
रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **सेजबहार/दतरेंगा,** रायपुर में स्थित **भवन क्र. एल.आई.जी.-740, श्री प्रदीप मधुकर पिता श्री धोबीराम मधुकर,** निवासी- क्वार्टर नं.-907, वार्ड नं.-27, पड़ीमार, भदरापारा, बाल्को जिला-कोरबा (छ.ग.) के नाम पर भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित, उक्त भवन को **फ्री-होल्ड** संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को भवन का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर
(छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा, सामान्य आवास योजनांतर्गत **सड्डू,** रायपुर में स्थित **ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्रमांक-24, ब्लॉक नं.-02, (द्वितीय-तल)** को इस कार्यालय के **पत्र क्रमांक-2707,** दिनांक **05.03.2014** के द्वारा **श्रीमती शोभा अग्रवाल पति श्री शिवशंकर अग्रवाल** के नाम एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट के मद में सम्पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट की सेलडीड दिनांक **22.05.14** को पंजीकृत करने उपरांत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक- **8250** दिनांक **02.08.2014** फ्लैट का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में आबंटी **श्रीमती शोभा अग्रवाल पति श्री शिवशंकर अग्रवाल,** निवासी- शक्ति पारा, वार्ड नं.-08, बलौदा बाजार (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता श्री कृष्ण कुमार सेन पिता श्री बलदाऊ प्रसाद सेन,** निवासी- वार्ड नं.-03, बजरंग चौक बुडगहन खरोरा, रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र **(एन.ओ.सी.)** प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के **विक्रय करने** के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन दिनांक के **15 दिवस** के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, बुधवार 22 मई 2024

संक्षिप्त समाचार

डीईओ ने अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की छानबीन के क्रम में सात दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फ्लिहाल 8 आवेदकों ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं। डीईओ ने बताया कि बिल्हा विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोहदा में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री धनाराम मनहर के परिवार से उनके पुत्र श्री गिरौदधाम मनहर, सरकण्डा विजयापुरम कालोनी निवासी शिक्षक स्व. श्री अमर सिंह यादव के पुत्र श्री राहुल यादव, मस्तुरी विकाखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परसाही में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री भानु प्रताप सिंह के पुत्र श्री आदित्य सिंह राजपूत, कोटा विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चपोरा में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री रंगुल सिंह मरकाम के पुत्र श्री हर्ष मरकाम एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिल्लीबंद में भृत्य के पद पर कार्यरत स्व. श्री रामायण प्रसाद प्रधान के पुत्र श्री हरीश कुमार, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलगहना में व्याख्याता पद पर कार्यरत स्व. श्री प्रशांत दीक्षित की पुत्री कु. आभा दीक्षित, शासकीय कन्या उमावि तखतपुर में प्राचार्य पद पर कार्यरत स्व. श्री नरेश कुमार दुबे की पुत्री कु. शौर्या दुबे एवं उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर में भृत्य पद पर कार्यरत स्व. श्री दाऊ लाल अनंत के पुत्र शुभांशु अनंत ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे 7 दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्र. 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

दायित्व के निर्वहन में लापरवाही, खाद्य निरीक्षक निलंबित हुए

बिलासपुर। कोटा के खाद्य निरीक्षक शेख अब्दुल कादिर को सरकारी काम में लापरवाही के चलते निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने कोटा एसडीएम से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आज निलंबन की कार्रवाई करते हुए आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार श्री कादिर पर अपने प्रभार क्षेत्र कोटा की राशन दुकानों का सतत् निरीक्षण नहीं करने, आम जनता की समस्याओं को ध्यान में नहीं रखने तथा राशन संबंधी उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किये जाने का आरोप लगाया गया है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 की प्रावधानों के तहत निलंबन किया गया है। निलंबन अवधि में खाद्य निरीक्षक को जिला कार्यालय के खाद्य शाखा में अटैच किया गया है।

जीएसटी-टीडीएम कटौत्रा के संबंध में ऑनलाईन कार्यशाला

बिलासपुर। जीएसटी-टीडीएस कटौत्रा के संबंध में 21 मई को शाम 4.30 बजे से 5 बजे तक ऑनलाईन कार्यशाला का आयोजन किया गया है। सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी इस कार्यशाला में शामिल होंगे। जिला मुख्यालय में कार्यरत डीडीओ मंथन सभाकक्ष में स्थित सिस्टम ऑनलाईन गुगल मीट से कनेक्ट होकर और बाहर रहने वाले डीडीओ गूगल मीट से जुड़कर प्रशिक्षण में हिस्सा लेंगे। गौरतलब है कि राज्य जीएसटी विभाग द्वारा केन्द्रीय माल एवं सेवाकर अधिनियम 2017 एवं छत्तीसगढ़ माल एवं सेवाकर अधिनियम 2017 की धारा 51 के प्रावधानों के अनुसार शासकीय विभागों द्वारा की जाने वाली सामग्री खरीदी, सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं को तथा ठेकेदारों को भुगतान किये जाने वाले भुगतान के स्त्रोत पर कटौती के संबंध में विस्तार से अवगत कराया जायेगा। कलेक्टर अवनीश शरण ने एक आदेश जारी कर सभी डीडीओ को कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेने को कहा है।

दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़ तीन लाख की जेवरात चोरी

कोरबा। दुकान के स्टोर का सेंटर लाक तोड़ने में असफल रहने पर चोरों ने पीछे का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुस कर नकद राशि समेत सोने- चांदी के जेवरात की चोरी कर ली। चोरी गए सामान की कीमत लगभग तीन लाख रूपए बताई जा रही है। पुलिस मामला पंजीबद्ध कर विवेचना कर रही है। कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत यह घटना कटघोरा- कासनिया मुख्य मार्ग के किनारे स्थित कान्हा स्टोर में घटित हुई। नीचे दुकान और उसके ऊपर एक मंजिला मकान बना हुआ है। कान्हा स्टोर के संचालक आशु मित्तल ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात दुकान बंद कर अपने घर चले गए और खाना खाकर सो गए। सुबह जब नींद खुली, तब दुकान में चोरी होने की जानकारी मिली। दुकान के अंदर का सामान बिखरा हुआ और गल्ला भी टूटा था। चोरों ने चांदी के सिक्के, सोने के जेवरात समेत लगभग तीन लाख का सामान पार कर दिया था।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की लंबित मामलों की समीक्षा

आरटीई के तहत दाखिला लिए बच्चों के साथ स्कूलों में भेद-भाव बर्दाश्त नहीं:कलेक्टर अवनीश शरण.....

बिलासपुर (विश्व परिवार)। आरटीई के तहत दाखिला लिये बच्चों के साथ स्कूलों में भेद-भाव नहीं किया जाना चाहिए। डीईओ नियमित रूप से इस बाबत् स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दें। कलेक्टर अवनीश शरण आज टीएल की बैठक में लंबित मामलों और विभागीय काम-काज की समीक्षा करते हुए इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में डमी एडमिशन संबंधी लंबित शिकायत की जांच कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। बैठक में निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ रामप्रसाद चौहान सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री शरण ने कोटा इलाके में विगत दिनों हुई ओला वृष्टि से फसलों को हुई क्षति का सर्वे कर किसानों को जल्द राहत पहुंचाने को कहा है। प्राथमिकता के इस कार्य में विलंब नहीं किया जाये। उन्होंने कोटा क्षेत्र के ही बैगा-बिरहोर परवार के बच्चों के लिए स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर लगाने कहा है। सबूत के रूप में अभिलेख के अभाव में लगभग सवा 4 सौ बच्चों का स्थायी जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है। ग्राम सभा के अनुमोदन से जाति प्रमाण पत्र बनाया जायेगा। कलेक्टर ने बताया कि 22 मई से 10 जून तक जिला मुख्यालय में समर कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिले भर के चुनिंदे 200 ग्रामीण स्कली बच्चे बहतराई स्टेडियम में शामिल होंगे। उनकी रूचि के अनुरूप प्रतिभा निखारने विविध कार्यक्रम के साथ ही उन्हें शहर भ्रमण कराकर रेल स्टेशन, हवाई अड्डा और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अवलोकन कराकर उनका ज्ञानवर्धन किया जायेगा। टीएल की बैठक में ही राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला समन्वय समिति की बैठक भी आयोजित की गई। कोटपा एक्ट का कड़ाई से पालन करने और कराने पर जोर दिया गया। स्कूल, अस्पताल के 100 मीटर की परिधि में संचालित तम्बाकू बेचने वाले दुकानों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अंतरविभागीय विभिन्न मामलों का समाधान भी बैठक में किया गया।

जनभागीदारी से जिले में शुरु हुआ तालाबों का गहरीकरण अभियान...

- ऐतिहासिक नगरी रतनपुर के रानी तालाब से हुई शुरूआत
- कलेक्टर ने अभियान से जुड़ने लोगों से की अपील

बिलासपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण के निर्देश पर जिले में जनभागीदारी से तालाबों के गहरीकरण अभियान का सिलसिला आज से शुरू हो गया। ऐतिहासिक नगरी रतनपुर के रानी तालाब से अभियान की शुरूआत की गई। प्रथम चरण में 40 तालाबों में यह अभियान शुरू किया गया। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग बड़ी संख्या में इस अभियान से जुड़े। जल संरक्षण के लिए जिले के नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ जनभागीदारी से तालाबों के गहरीकरण का काम किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ श्री आरपी चौहान ने भी रतनपुर नगर पालिका के रानी तालाब और कोटा ब्लॉक के ग्राम चंगोरी पहुंचकर तालाब गहरीकरण कार्य में श्रमदान किया। एसडीएम कोटा श्री युगल किशोर उर्वशा, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी इस पुनीत कार्य में श्रमदान किया।

कुसमुंडा खदान में निर्माणाधीन बंकर का हिस्सा टूटकर गिरा....

- निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल
- जानकारों का कहना है कि वेट बैलेंसिंग में अनियमितता होने की वजह से पुल्ली ऊपर से नीचे की ओर गिरा

कोरबा (विश्व परिवार)। एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में निर्माणाधीन बंकर का एक हिस्सा अचानक गिर गया। घटना के वक्त कर्मचारी भोजन अवकाश पर गए थे, इसलिए किसी तरह की अप्रिय घटना टल गई। इस घटना से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्डस लिमिटेड (एसईसीएल) की मेगा परियोजना कुसमुंडा में बंकर का निर्माण किया जा रहा है। ताकि कोयला को सीधे कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से ऊपर भेजा जा सके। बंकर का निर्माण कार्य आरवीआर इंफ्रा स्ट्रक्चर प्राइवेट कंपनी लिमिटेड द्वारा लगभग 450 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। शनिवार की दोपहर 1.30 बजे बंकर के अंदर एक पुल्ली नुमा लोहे की भारीभरकम पुल्ली ऊपर से नीचे की ओर गिरने लगा और लोहे के लगे बड़े स्लैब उससे धक्का लगने पर अपने स्थान से खिसकने लगा। इसकी वजह से बंकर का एक हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारों का कहना है कि वेट बैलेंसिंग में अनियमितता होने की वजह से पुल्ली ऊपर से नीचे की ओर गिरा। घटना स्थल पर लगभग 15 मजदूर कार्य कर रहे थे, पर भोजन अवकाश होने की वजह से सभी बाहर निकल गए थे। इससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, अन्यथा गंभीर दुर्घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता था। घटना के बाद एसईसीएल के अधिकारी स्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। निर्माण कार्य एसईसीएल के अधिकारियों की उपस्थिति में कराया जा रहा है, पर कार्य किस गुणवत्ता के आधार पर हो रहा है। इसका अंदाजा पुल्ली गिरने की घटना से लगाया जा सकता है। कोयला कर्मियों का कहना है कि पूरी तरह अनदेखी कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। प्रबंधन को केवल उत्पादन से ही सरोकार रह गया है।

दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़ तीन लाख रूपए की जेवरात चोरी हुई.....

कोरबा (विश्व परिवार)। दुकान के स्टोर का सेंटर लाक तोड़ने में असफल रहने पर चोरों ने पीछे का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुस कर नकद राशि समेत सोने- चांदी के जेवरात की चोरी कर ली। चोरी गए सामान की कीमत लगभग तीन लाख रूपए बताई जा रही है। पुलिस मामला पंजीबद्ध कर विवेचना कर रही है। कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत यह घटना कटघोरा- कासनिया मुख्य मार्ग के किनारे स्थित कान्हा स्टोर में घटित हुई। नीचे दुकान और उसके ऊपर एक मंजिला मकान बना हुआ है। कान्हा स्टोर के संचालक आशु मित्तल ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात दुकान बंद कर अपने घर चले गए और खाना खाकर सो गए। सुबह जब नींद खुली, तब दुकान में चोरी होने की जानकारी मिली। दुकान के अंदर का सामान बिखरा हुआ और गल्ला भी टूटा था। चोरों ने चांदी के सिक्के, सोने के जेवरात समेत लगभग तीन लाख का सामान पार कर दिया था। इसके अलावा चोरों ने अन्य कमरों में भी चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहे। दुकान संचालक आशु मित्तल की शिकायत पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना कर रही है। चोरी की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धरम तिवारी अपने स्टाफ के साथ स्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थल निरीक्षण करने के साथ ही जांच कार्रवाई शुरू की। डाग स्क्वायड की भी मदद ली गई और डाग बाघा ने के माध्यम से आरोपितों का पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी तिवारी ने बताया कि मामले में पुलिस ने दुकान संचालक व उसके स्वजनों का बयान लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के आधार पर आरोपितों की पतासाजी शुरू कर दी गी है। डाग स्क्वायड की मदद से चोरों को खोजने का प्रयास किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही आरोपित पकड़ लिए जाएंगे।

चाढ़े चार लाख की ठगी मामला व धोखे में रखने वाले बैंक पर जुर्माना

- उपभोक्ता आयोग का फैसला

कोरबा (विश्व परिवार)। बैंक उपभोक्ता से चाढ़े चार लाख से अधिक की ठगी और पेनाल्टी रकम के विरूद्ध जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दायर किया गया था। जिस पर आयोग ने राशि का देनदार परिवादी को नहीं होना पाते हुए उसे देनदारी से मुक्त किया है। साथ ही आर्थिक व मानसिक प्रतिपूर्ति के एवज में बैंक को राशि देनी होगी। बालको थानांतर्गत इंदिरा मार्केट में विजय कुमार साहू (42 वर्ष) निवासरत है। उसका निजी खाता वर्ष 2012 से एक्सिस बैंक कोरबा में है। 2019 से उसका क्रेडिट कार्ड खाता संचालित है। 19 नवंबर 2023 की दोपहर उसके क्रेडिट कार्ड खाता को हैक कर चार लाख 14 हजार 831 व 36 हजार 424 कुल चार लाख 51 हजार 255 रुपए काटकर गैर व्यक्ति रिलायंस बीपी मोबाइल एसबीआई में ट्रांसफर कर दिया गया। जिसकी जानकारी होने पर तत्काल क्रेडिट कार्ड के पीछे अंकित काल सेंटर में शिकायत दर्ज कराई गई। महिला कर्मचारी द्वारा शिकायत दर्ज करने की जानकारी दी गई। साथ ही शिकायत नंबर भी प्रदान किया गया। काल सेंटर के द्वारा 19 नवंबर को दोपहर 1.40 बजे क्रेडिट कार्ड और बचत खाता को ब्लाक किया गया। उपभोक्ता को किया गया कि उनकी रकम सुरक्षित है। अभी राशि ट्रांसफर नहीं हुई है। 24 घंटे में राशि वापसी की बात कही गई। 19 नवंबर को 2.10 बजे रिफंड का मैसेज भी आया तो परिवादी आश्वस्त हो गया कि रकम सुरक्षित है। दूसरे दिन अचानक परिवादी के मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके खाते का ओटीपी पास होने की वजह से राशि का आहरण हो गया है। कोरबा के मैनेजर ने परिवादी को जानकारी दी कि क्रेडिट कार्ड के साथ दो कार्ड जारी होता है, एक कार्ड नामिनी के नाम पर होता है। परिवादी ने बताया कि उसे एक ही कार्ड जारी हुआ है। साथ ही उसने किसी तरह का ओटीपी शेयर नहीं किया है। बिना ओटीपी शेयर किए ही राशि की ठगी हुई है। जिस पर पीड़ित ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दायर किया जिस पर आयोग ने देनदार परिवादी को नहीं होना पाते हुए उसे देनदारी से मुक्त किया है। विरोधी पक्षकारगण को आर्थिक व मानसिक क्षतिपूर्ति के एवज में परिवादी को 15 हजार रुपए प्रदान करना होगा। वाद व्यय के रूप में पांच हजार, व्यवसायिक कदाचरण के लिए 10 हजार का प्रतिकर अधिरोपित किया गया है। आयोग की तरफ से फैसला अध्यक्ष रंजना दत्ता, सदस्य ममता दास व पंकज कुमार देवड़ा ने दिया है।

बिलासपुर रेल मंडल द्वारा गाड़ियों के पेंट्रीकार कर्मचारियों को दिया गया अग्निशमन यंत्र चलाने का प्रशिक्षण.....

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बिलासपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियो को संरक्षित व सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है । साथ ही अग्नि दुर्घटना की रोकथाम के लिए स्टेशनों और गाड़ियों के कोचों में अग्निशमन यंत्र भी उपलब्ध कराए गए है । गाड़ियों में कार्यरत रेलकर्मियों को अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करने में दक्ष करने हेतु नियमित रूप से प्रशिक्षण अभियान चलाये जाते है जिससे कि वे गाड़ियों में उपलब्ध अग्निशमन यंत्र का प्रयोग कर अग्नि दुर्घटना का बचाव प्रभावी रूप से कर सकें इसी कड़ी में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के मार्गदर्शन में विभाग के नागरिक सुरक्षा निरीक्षक द्वारा बिलासपुर स्टेशन से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 12834 हावड़ा-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस तथा गाड़ी संख्या 12261 सीएसएमटी- हावड़ा दुरन्तो सुपरफास्ट एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में जाकर विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया गया 7 प्रशिक्षण के दौरान नागरिक सुरक्षा निरीक्षक के द्वारा पेंट्रीकार में उपस्थित कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों और अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करने की जानकारी दी गई । साथ ही सभी को आग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ली जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। इसके पश्चात प्रत्येक कर्मचारियों से अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करने का अभ्यास कराया गया ।

बिलासपुर पार्सल आफिस में रखे गए सामानों की खुली नीलामी 28 मई 2024 को

रेलवे प्रशासन द्वारा पार्सल आफिस में रखे हुए असंबद्ध एवं गैरसुपुर्द उपयोगी सामानों की खुली नीलामी समय-समय पर की जा रही है। इसी संदर्भ में सामानों की अगली खुली नीलामी दिनांक 28 मई 2024 मंगलवार को प्रात: 11 बजे से बिलासपुर स्टेशन के पार्सल आफिस में किया जाएगा। नीलामी की जाने वाली सामानों में स्प्लीट एसी का इनर पोर्शन, साइकल, एवं पानी बॉटल, शामिल हैं। इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस खुली नीलामी में भाग ले सकते हैं। रेलवे प्रशासन इच्छुक व्यक्तियों से आग्रह करता है कि वे इस खुली नीलामी में भाग लेने हेतु निश्चित परिचय-पत्र (आईडी) के साथ 28 मई 2024 मंगलवार को प्रात: 09:30 बजे बिलासपुर स्टेशन के पार्सल आफिस में उपस्थित हो सकते हैं ।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 22 मई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय बढ़ता साहसिक पर्यटन और सुरक्षा जरूरतें

चिंता का सबब

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मार्गों पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों-घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी। कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बड़ियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है। खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निस्संदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमों/पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती। उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है। नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षों से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

विशेष लेख

गजब का सामंजस्य

लोकसभा चुनाव में मोदी-योगी की जोड़ी को खूब पसंद किया जा रहा है। इतना ही नहीं, दोनों नेता अपने-अपने भाषण में एक-दूसरे का खूब बखान भी कर रहे हैं। गजब का सामंजस्य चल रहा है। इसके पीछे की पूरी पटकथा लिखी हुई है। यह सभी जानते हैं कि दिल्ली तक पहुंचने में उत्तर प्रदेश का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण और सर्वाधिक होता है। इस नाते लोक सभा चुनाव 2024 की पहली सभा मोदी ने उत्तर प्रदेश में ही की और शायद अंतिम सभा भी उत्तर प्रदेश में ही होगी। चुनावी सभा के दौरान मोदी योगी की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं, और उससे भी अधिक योगी मोदी की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं। यह सामंजस्य देखने को खूब मिल रहा है। चुनावी सभा, रोड शो, रैली में जहां दोनों पहुंच रहे हैं, वहां विशाल भीड़ इकटठा हो रही है। मोदी बार-बार कहते नजर आ रहे हैं कि योगी जी मेरे भी मुख्यमंत्री हैं। इन्होंने माफिया राज को खत्म कर दिया है और योगी यह कहते नजर आ रहे हैं कि मोदी की गारंटी, अबकी बार 400 पार। यहां तक ही नहीं, जब राम मंदिर की बात आ रही है तो योगी बार-बार मोदी को श्रेय दे रहे हैं जबकि यह भी सभी जानते हैं कि योगी ने राम मंदिर निर्माण के लिए रात-दिन एक कर दिया था। बार-बार अयोध्या जा कर मॉनिटरिंग करना, आत्मबल बढ़ाना, विरासत और विकास की बातें खूब हो रही हैं। लोक सभा की 80 सीटें उत्तर प्रदेश में हैं, और गिनी-चुनी सीटों को छोड़ दिया जाए तो कयास ये लगाए जा रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की 65 से ऊपर सीटें भाजपा के पास रहेंगी और इसका श्रेय सीधे तौर पर योगी को जाता है। केंद्र की योजनाओं और प्रदेश की योजनाओं के लाभार्थियों से सीधे मुलाकात और बूथ लेवल कार्यकताओं का लाभार्थियों से सीधा संपर्क बना हुआ है। इसी नाते मोदी भी योगी की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। पूरे देश में चुनावी सभा में जिस तरह से योगी की डिमांड हो रही है, वह अपने आप में एक उदाहरण है। स्टार प्रचारक के रूप में उन्हें जनता हर जगह चाह रही है। उत्तर प्रदेश के बदलाव को बखूबी लोग अपनी जुबां से बयां कर रहे हैं। गोरखपुर का बदलाव भी योगी के कद को बढ़ा ही नहीं रहा है, बल्कि आसपास की लोक सभा सीटों को एक संदेश भी दे रहा है। कानून व्यवस्था तो जैसी यूपी की है, शायद ही किसी अन्य प्रदेश की हो। अपराध और अपराधी यूपी से गायब हो गए हैं। अब उत्तर प्रदेश में कहीं गुंडा टैक्स नहीं चलता। दंगों, कर्फ्यू, रंगदारी, अपहरण, डराना-धमकाना उत्तर प्रदेश से सब समाप्त हो चुका है। इन सभी मुद्दों को लेकर दोनों नेता चर्चा करते नजर आ रहे हैं। प्रथम चरण के चुनाव के बाद जिस तरह से पूरी भाजपा टीम को और मजबूती से लगाया गया है, पूरी तरह से उत्तर प्रदेश में एक नया संदेश देना चाहती है भाजपा। चार जून को लोक सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद योगी का कद और बढ़ेगा। योगी विरासत और विकास की बातों के साथ-साथ अपनी पुरानी छवि, फायर ब्रांड हिन्दूवादी नेता की, को कायम रखे हुए हैं। उसी तौरतरीके से उनका चुनावी भाषण भी हो रहा है। बल्कि चुनावी भाषण को छोड़ दिया जाए तो योगी ने अपने नियमित भाषण में बड़ा ही परिवर्तन किया था, तकनीकी और विकास की बारे अधिक होती रहती थीं। लोक सभा चुनाव के ऐलान के बाद राज्यवार स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भी योगी को वरीयता दी गई। यह अपने आप में संदेश पहले ही दे दिया गया कि केंद्र के पांच शीर्ष नेताओं के बाद छठे नम्बर पर योगी का ही नाम है। कानून व्यवस्था सख्त रखने के चलते दूसरे राज्यों में योगी की खूब चर्चा होती है। हार्डकोर हिन्दुत्व वाली छवि भी उनके कद को बढ़ाती है। जुगलबंदी इस तरह हो गई है कि योगी गोरखपुर आएंगे तो बाबा गोरखनाथ की पूजा करने के बाद ही अपने कमरे में जाते हैं। मोदी ने काशी में जिस तरह से कल रोड शो किया वह देखने लायक था। भगवामय कशी नजर आ रही थी। बाबा विनाथ, गंगा मइया, बनारस हिन्दू विविद्यालय सभी जगह पूजन-अर्चना, माल्यार्पण मोदी ने किया। रोड शो के दौरान जिस तरह दोनों नेता अभिवादन करते चल रहे थे, सब की जुबान पर मोदी-योगी चल रहा था। योगी भगवाधारी हैं ही मोदी भी भगवा कुर्ता और भगवा गमछा के साथ रोड शो कर रहे थे। लोगों को यह जुगलबंदी खूब भा रही है। कल मोदी ने अपने नामांकन के दौरान भी योगी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जो लोग योगी जी को केवल बुलडोजर के नाम से बदनाम करते हैं, वे कान खोल कर सुन लें। जिस तरह से योगी ने यूपी में औद्योगिक विकास किया है, आजादी के बाद विपक्षी सरकारें इतने वर्षों में नहीं कर पाई। मैं काशी का सांसद भी हूं, और मेरे भी मुख्यमंत्री हैं। मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि योगी जैसे व्यक्ति मेरी टीम में हैं। चुनावी सभा के दौरान योगी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि 'एक जिला एक उत्पाद' का मिशन पूरे देश में नया सम्मान पैदा कर रहा है। यह निरंतर दोनों नेताओं में देखने को मिल रहा है एक-दूसरे की तारीफ करना।

बढ़ता साहसिक पर्यटन और सुरक्षा जरूरतें

रमेश पठानिया

हवा का रुख और ग्लाइडर को आपात स्थिति में किस तरह नियंत्रण में करना है, इस बात के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। कुल्लू का मौसम अब खुल गया है और पर्यटकों का सैलाब कुल्लू घाटी और हिमाचल के कई पहाड़ी इलाकों की ओर उमड़ रहा है। साहसिक पर्यटन से जुड़े लोगों को इस बात का ध्यान रखना है कि सैलानियों को पैराग्लाइडिंग में आनंद की अनुभूति हो, सुरक्षा के साथ हिमाचल प्रदेश देश का वह राज्य है जहां स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियां होती हैं। कुल्लू-मनाली में अधिकतर पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग होती है। बैजनाथ के पास बीड़-बिलिंग में विश्वस्तर की पैराग्लाइडिंग होती है। पहले डोभी पैराग्लाइडिंग साइट पर एक ऐसा हादसा हुआ जिसे देखकर लगा कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी की गई है। इस हादसे में तेलंगाना की एक पर्यटक के हार्नेस खुल जाने से महिला कंक्रीट छत पर आ गिरी और उसकी मृत्यु हो गई। कुल्लू जिला की पर्यटन अधिकारी सुनयना शर्मा ने समय-समय पर सुरक्षा नियमों को लेकर कुल्लू के पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स को जवाबतलब किया है। डोभी में हुए इस अप्रिय हादसे के बाद सरकार ने कुछ कड़े कदम उठाए हैं। डोभी पैराग्लाइडिंग साइट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया और उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के दोषी पैराग्लाइडर पायलट को गिरफ्तार कर लिया गया। हिमाचल के विश्वप्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट बीड़-बिलिंग में भी पिछले साल अक्टूबर में निरंतर हादसे हुए थे जिनमें कुछ विदेशी पर्यटकों को जान से हाथ धोना पड़ा था। हादसों का सिलसिला रुका नहीं। 7 अप्रैल 2024 को बीड़ बिलिंग में नोएडा की एक अनुभवी पैराग्लाइडिंग पायलट रितु की क्रैशलैडिंग की दुर्घटना हुई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। पिछले कई सालों से वह बीड़ -बिलिंग आती थीं। जिला पर्यटन अधिकारी कुल्लू ने कुछ दिन पहले अपनी तकनीकी टीम के साथ कुछ पैराग्लाइडिंग साइट्स का दौरा भी किया। उनके अनुसार, किसी को भी सुरक्षा नियमों से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार कुल्लू जिले में 9 पैराग्लाइडिंग साइट हैं जिनमें सोलंग, मढ़ी, 14 मोड़, मझाच, कोठी, डोभी, नांगाबाग, गड़सा और पीज शामिल हैं। कुल्लू में 64 पंजीकृत पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स हैं। एक पैराग्लाइडर को पंजीकृत करने के लिए 1500 रुपए फीस देनी पड़ती है और उसकी गुणवत्ता और स्तर भी जांचा जाता है। कुल्लू जिले में इन 9 पैराग्लाइडिंग साइट्स के लिए 584 लाइसेंसधारी पायलट्स हैं। निरंतर हो रहे हादसों का कारण सैलानियों की भीड़ का हड़बड़ी में सुरक्षा नियमों को ताक में रख कर उड़ानें भरना, ग्लाइडिंग उपकरणों की सुरक्षा जांच में लापरवाही और पैराग्लाइडिंग पायलेट्स का जरूरत से ज्यादा उड़ान भरना भी हो सकता है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन सैलानियों को आपातकाल की स्थिति में किस तरह खुद को बचाने की कोशिश हिदायतें, पायलट्स का सैलानियों के साथ ठीक से व्यवहार का न होना और हिदायतों में पारदर्शिता का न होना भी हो सकता है। कुल्लू की बात करें तो यहां पर 493 ग्लाइडर्स हैं। अधिकतर देखा गया है कि जल्दबाजी में ऑपरेटर्स अपने पैराग्लाइडिंग गियर का ठीक से निरीक्षण नहीं करते। बहुत से ग्लाइडर्स बिना लाइसेंस के भी उड़ान भरते हैं क्योंकि हर जगह सरकार अपने अधिकारी नहीं भेज सकती। अभी हाल ही में गड़सा पैराग्लाइडिंग साइट पर आपरेटर्स का निरीक्षण किया गया। पुराने ग्लाइडर्स और कुछ के पास तो लाइसेंस भी नहीं था। इन ऑपरेटर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और उन पर नियमानुसार जुर्माना भी किया गया। हिमाचल प्रदेश में साहसिक पर्यटन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, लेकिन जो भी लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सुरक्षा नियमों का पूरा पालन किया जाए। लाइसेंस धारक पायलेट्स को ही उड़ान भरने की अनुमति दी जाए। पैराग्लाइडिंग गियर का समय-समय पर निरीक्षण होता रहे। उड़ान भरने से पहले यह निश्चित किया जाए कि पैराग्लाइडर उड़ान कर्मी ने किसी तरह का कोई नशा तो नहीं किया है, जिससे उड़ान भरते समय या उतरते समय वह सैलानी को नुक्सान पहुंचा सके। जैसे-जैसे पैराग्लाइडर्स की संख्या बढ़ रही है, आसमान में उड़ानों की संख्या भी बढ़ेगी। हर पैराग्लाइडर की गति और दिशा कई बार पैराग्लाइडर और उसके पायलट पर भी निर्भर करती है। दो पैराग्लाइडर्स अगर आसपास आ रहे हैं तो बचाव कर आमने-सामने भिड़ंत से बचना होगा, एक कुशल पायलट ही यह सब कर सकता है। पैराग्लाइडर के हार्नेस को ठीक से चेक करना, एक अतिरिक्त पैराशूट का प्रबंध रखना। अच्छे हेल्मेट्स का प्रयोग करना। उड़ान भरने से पहले सब कुछ जांच करना। नशे की हालत में उड़ान न भरना। इसमें सैलानी, जो आपके साथ उड़ान भर रहा है, उसका भी किसी नशे की हालत में न होना अनिवार्य है। पैराग्लाइडर कंपनियों या संस्थानों को अपनी संस्था में पायलट रखने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि पायलट ने 100 घंटे की फ्लाईंग की है 5 विभिन्न जगहों से, और टेंडम पैराग्लाइडर के लिए 50 टेंडम उड़ानें भरी हैं। यह भी देखना चाहिए कि क्या पायलट के पास वैध लाइसेंस है? पैराग्लाइडिंग कंपनियों को प्रथम उपचार किट की भी व्यवस्था रखनी चाहिए। उड़ान भरने और उड़ान के उतरने के लिए अच्छी जगह का चयन किया जाना चाहिए। पैराग्लाइडर पायलट्स को तनाव की स्थिति या किसी दबाव में आकर उड़ान नहीं भरनी चाहिए। हवा में जोखिम भरे करतबों से बचना चाहिए। हवा का रुख और ग्लाइडर को आपात स्थिति में किस तरह नियंत्रण में करना है, इस बात के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। कुल्लू का मौसम अब खुल गया है और पर्यटकों का सैलाब कुल्लू घाटी और हिमाचल के कई पहाड़ी इलाकों की ओर उमड़ रहा है। साहसिक पर्यटन से जुड़े लोगों को इस बात का ध्यान रखना है कि सैलानियों को पैराग्लाइडिंग में आनंद की अनुभूति हो, पूरी सुरक्षा के साथ। पर्यटकों से पैराग्लाइडिंग के लिए सरकार द्वारा तय किराया ही लिया जाए, जिसमें हाई फ्लाई के लिए 3500 रुपए और शार्ट फ्लाई के लिए 1300 रुपए हैं। शार्ट फ्लाई सिर्फ सोलंग में ही होती है। हर उड़ान सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए ही भरी जाए।

धार्मिक पर्यटन को मिले बजटीय चढ़ावा

इंदु पटियाल

हर हिमाचली को संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में ब्रांड एबेंसेडर की भूमिका निभानी होगी। प्रिटि या कंगना पर करोड़ों लुटाने की क्या जरूरत। प्रदेश सरकार से यह भी अपेक्षा रहेगी कि वह आगामी बजट में पर्यटन क्षेत्र को संवारने के लिए विशेष ध्यान देगी। इससे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार भी होगा छोटी-छोटी रियासतों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश अस्तित्व में आया है। हर रियासत का शानदार इतिहास अपने होने की मार्मिक कथा बयां करती है, रियासत कालीन परंपराएं ही कुल्लू दशहरा, मंडी शिवरात्रि और चंबा के मिंजर जैसे मेलों में पुरातन स्वरूप में प्रतीकात्मक तौर-तरीकों से निभाई जाती हैं। प्रदेश के सभी जिलों में कोई न कोई मेला या ग्रामीण क्षेत्र में देव परंपराएं फागली, काहिका, जाच, हूम, गुण्ण, देउली या दियाली, झीरू आदि देव उत्सव भी आज भव्य मेलों का रूप ले चुके हैं। उक्त धरोहर परंपराओं को ग्रामीण पर्यटन से जुड़े सैलानी अधिक कौतुहल से देख आनंदित होते हैं। अनूठी संस्कृति के दर्शन मात्र से जहां ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं पर्यटन का अच्छा मनोरंजन भी होगा। इस पहाड़ी प्रदेश के लोगों ने अपनी विरासत को सही सलीके से संजोए रखा है। यह सर्वविदित है कि देव आयोजन या देवता के आदेश और पुरानी परंपरा अनुसार ही संपन्न होते हैं। देव आयोजन से जुड़ी हर परंपरा ग्रामीण धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित की जा सकती है।इससे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार भी होगा। इसके लिए भाषा एवं संस्कृति विभाग और पुरातत्त्व विभाग को साथ मिलकर काम करना होगा। सरकार को केंद्र से ईको टूरिज्म प्रोजेक्ट्स के तहत करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत होती है। उस राशि को योजनाबद्ध तरीके से गांवों तक प्राथमिक सुविधाओं को बहाल करने पर व्यय करना चाहिए। यह अति दुखद पहलू है कि आज तक प्राकृतिक सौंदर्य से ओत-प्रोत इस प्रदेश का पर्यटन बने बनाए ढर्रे पर ही रेंग रहा है। शिमला, मनाली, डलहौजी, लाहुल-स्पीति या लेह-लद्दाख से आगे हम नहीं बढ़ सके। नए पर्यटन स्थल के रूप में छिटपुट क्षेत्र यदि पर्यटन व्यवसायियों के प्रयास से उभरे भी हैं, तो वहां ढाबा-संस्कृति या रेहड़ी-फड़ी के लगने से गंदगी फैलने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा है। बंजार की तीर्थन वैली, जलोड़ी, सोझा, वाहू, चच्योट की गाड़ा गुशैणी, जंजैहली वैली, मंडी की स्नोर वैली, चौहार वैली, चंबा के पांगी-भरमौर तथा किन्नौर में अनेक मनभावन स्थल हैं, जो विश्व के उत्कृष्ट पर्यटन स्थलों के रूप में स्थापित हो सकते हैं। साहसिक पर्यटन से जुड़े स्थानीय युवाओं के प्रयास से उक्त सभी क्षेत्रों में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में पर्यटक पर्वतारोहण हेतु पहुंचते हैं, परंतु सरकार की ओर से व्यू प्वाइंट, रोप-वे तथा हवाई पट्टी के विस्तारीकरण जैसी घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने की जहमत कोई नहीं उठाता। यह हैरतअंगेज सत्य है कि पर्यटन निगम के उपाध्यक्ष मेजर मनकोटिया नए पर्यटन स्थलों का विस्तृत खाका तैयार कर तथा प्रस्तावित स्थलों में मौसम के अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को संचालित करने संबंधी अनापत्ति पत्र के साथ, पर्यटन विकास में वांछित बजट राशि के अनेक प्रोजेक्ट्स केंद्र से स्वीकृत कर चुके हैं। स्वीकृत पर्यटन परियोजनाओं का श्रेय लेने की होड़ में, किसी योग्य, अनुभवी नेता की धूल चटाने की मंशा से आदेश, आपत्ति या आनाकानी में उलझाना क्या प्रदेश की जनता के साथ धोखा नहीं है? उक्त परियोजनाओं को सिरे चढ़ाने से हमारे युवाओं के लिए पर्यटन व्यवसाय के रूप में स्वत: ही स्वरोजगार के द्वार खुलने थे। इस बात को लेकर गत दिनों हुई एक समीक्षा बैठक के बाद मेजर साहब की अधिकारियों के प्रति नाराजगी खुलकर सामने आई है। उनका गुस्सा जायज भी है। 25 जनवरी, 1971 को भारत के 18वें राज्य बनने के बाद यद्यपि इस प्रदेश ने शिक्षा एवं विकास के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है, परंतु ग्रामीण पर्यटन एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में हिमाचल सदा फिसड्डी ही रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकार को पैसों की कमी है, बल्कि इस क्षेत्र में केंद्र से मिला बजट प्रतिवर्ष लैप्स हो जाता है। एक-दूसरे को आगे बढ़ने से रोकने हेतु आपसी खींचतान के कारण विकास बाधित हो रहा है। ईएसआई सुंदरनगर को केंद्र से नकारना, स्की विलेज, सोलंग, मनाली ठंडे बस्ते में डालना, सेंट्रल यूनिवर्सिटी देहरा या धर्मशाला विवाद, रोप-वे, हवाई पट्टी विस्तारीकरण को भुंतर, गगल या शिमला के लिए नेताओं द्वारा प्राथमिकता की होड़ में उलझाना क्या उचित है? इस प्रकार तो हम संसाधनों के अपने घर में होने के बावजूद उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यटन सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों के रहमोकरम पर जीने को विवश हैं। सच यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अच्छे होटल तीन सितारा या पांच सितारा बाहरी लोगों के ही हैं, जहां हिमाचली युवा नौकर हैं। क्यों हम अपने युवाओं को अच्छा भविष्य नहीं देना चाहते? नेतृत्व को अपने भीतर युवा भविष्य को उज्ज्वल करने हेतु स्वप्न देखने चाहिए। और उन्हें पूरा करने के लिए पर्यटन भी करने चाहिए। आज अगर हम प्राचीन परंपराओं, लोक संस्कृति, देव संस्कृति, पुरातन लोक संगीत, वाद्य यंत्र, पारंपरिक वेशभूषा एवं खान-पान जैसी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को ग्रामीण मेलों में पर्यटन प्रचार के साथ जोड़कर मनाते हैं, तो लाखों पर्यटक यहां का रुख करेंगे। हमें कुदरत से बहुत कुछ मिला है। इसे रोप-वे, हेलि टैक्सी और प्राथमिक सुविधाओं से जोड़कर, स्वच्छता से संवारना होगा, न कि इन स्थलों को कंकरीट का जंगल बनाना चाहिए। सरकार को इस दिशा में नीतिगत निर्देश लागू करने चाहिए। धरोहर मेलों व धार्मिक उत्सवों में आयोजित सांस्कृतिक संध्याओं में हिमाचली लोक गायकों, बजंतरियों और कलाकारों को यथोचित मान-सम्मान व मानदेय देना चाहिए। हर हिमाचली को संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में ब्रांड एबेंसेडर की भूमिका निभानी होगी।

केंद्र को सुको से लगा जोर का झटका

योगेंद्र योगी

न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफहो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों को रैफरी की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाते रहे हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हों और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया, तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोड़ा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफकहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में यह बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी साफकर दिया है । कि किसी भी इनसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से यह साफहो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई।

जब से विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री बने हैं, तब से छत्तीसगढ़ में सब साय-साय चल रहा है : पं. प्रदीप मिश्रा

कुरूद में चल रही पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण की कथा

कुरूद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कुरूद में स्थित वृद्धि विहार भरदा चौक में गुरुवार से पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण की कथा चल रही है। मंगलवार को कथा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पहुंचे। इस दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि जब से विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री बने हैं, तब से छत्तीसगढ़ में सब साय-साय चल रहा है।

कुरूद में चल रही शिवपुराण कथा कार्यक्रम के संरक्षक विधायक अजय चंद्राकर ने कथावाचक पंडित मिश्रा का स्वागत किया। वहीं कथा के छठीं दिन पंडित मिश्रा ने भक्तों को भगवान शिव की महिमा का रसपान कराया। पूरा पंडाल कथा श्रावकों से खचाखच भरा हुआ था। कथा के छठीं दिन सीएम विष्णुदेव साय अपनी पत्नी के साथ कथा श्रवण करने पहुंचे। जहां पंडित प्रदीप मिश्रा ने उनकी सरकार की जमकर तारीफ की।

सब काम फुर्ति-फुर्ति में हो रहे : कथा श्रवण करने पहुंचे सीएम साय के समक्ष व्यास पीठ पर बैठे पंडित मिश्रा ने सीएम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैंने एयरपोर्ट पर पूछा कि छत्तीसगढ़ में क्या चल रहा है। इस पर जवाब आया कि यहां जब से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी विराजमान हुए हैं तब से सब साय-साय चल रहा है। वहीं

उन्होंने कहा कि व्यास पीठ से मैं कह रहा हूं कि शंकर जी को एक लोटा जल चढ़ाओ, वे तुम्हारा भंडार साय-साय भर देंगे। आगे उन्होंने कहा कि जैसे कि जब कोई नारी शिवलिंग में जलाभिषेक करती है तो वह अपने मायके व ससुराल के 71-71 पीढ़ियों के कल्याण के मार्ग प्रशस्त करती है। जिस तरह से हमें पंखे या कूलर सामने बैठने से ठंडी हवा का अहसास होता है, वैसे ही शिव मंदिर या कथा में बैठने से हमारा दु:ख कम होने लगता है। वहीं उन्होंने सिंगरौली के सिंदूर की महिमा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि महिला सिंदुरा के सिंदूर लगाती है। उसे कोई साधारण पुरुष आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। क्योंकि विवाह के समय के सिंदुरा वाले सिंदूर में 64 योगिनियों का बल है। इसलिए विवाहित महिलाओं को सिंदूर जरूर लगाना चाहिए।

विष्णुदेव साय के आने से सब साय-साय हो रहा है, वैसे ही मेरे महादेव की कथा से सब साय-साय हो जाएगा।

महिलाओं को क्यों लगाना चाहिए सिंदूर : प्रदीप मिश्रा ने शिव तत्व की महिमा विस्तार से बताई। उन्होंने कहा

छत्तीसगढ़ की धरती पर शिव रूपी चुंबक

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा के दौरान छत्तीसगढ़ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां की धरती में शिव तत्व रूपी चुम्बक लगी हुई है, इसके कारण मैं यहां बार-बार कथा करने के लिए खिंचा चला आता हूं। कुरुद वालों का पुण्य प्रबल है, जिसके कारण अभी कई जगहों की तैयारी हो जाने के बाद भी कथाएं कैंसिल हो गई, पर यहां के लोगों को कथा सुनने का सौभाग्य मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

क्षुल्लिका अनशनश्री माताजी का हुआ सल्लेखना पूर्वक समाधिमरण गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में

जयपुर (विश्व परिवार)। प. पू. भारत गौरव, गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में पार्श्वनाथ कालोनी, निर्माण नगर, जयपुर में 94 वर्ष उम्र की वयोवृद्ध श्राविका मनोहरदेवी जैन ने सल्लेखना पूर्वक समाधि मरण प्राप्त किया। सोमवार शाम 4 बजे के करीब गृह त्याग पूर्वक ससम्मान उन्हें सपरिवार ने गुरूमाँ को शरण लाया। तत्पश्चात समाज एवं परिवार की अनुमति सहित पूज्य गुरुमाँ के करकमलों से उन्हें क्षुल्लिका दीक्षा के व्रत दिये। पिच्छि, कमंडल एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य कासलीवाल सपरिवार ने प्राप्त किया। एक विवरण- इन श्राविका ने अपने जीवनकाल में 4000 उपवास की तपस्या को अंलकृत करते हुए अंत समय में क्षुल्लिका 105 अनशन - श्री माताजी नामकरण पाया। दीक्षा के पश्चात गुरुमाँ के श्रीमुख से णमोकार मंत्र का जाप, संबोधन, प्रतिक्रमण एवं भक्ति आराधना सुनते हुए उत्कृष्ट समाधि मरण को प्राप्त हुई। त्याग-तपस्या पूर्वक समता भावों के साथ प्राणों का त्याग करना मृत्यु महोत्सव का प्रतीक रूप हैं। सम्पूर्ण जयपुर समाज ने जयकारों के साथ समाधि मरण की अनुमोदना करके भूरि-भूरि प्रशंसा की। आगामी 22 मई 2024 को प्रात: 8.30 बजे क्षुल्लिका 105 अनशन श्री माताजी की समाधि पर विनयांजलि सभा का आयोजन मंदिर प्रांगण में होने जा रहा है। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

लोकनाट्य कलंकार की सफल प्रस्तुति, कलंकार नहीं अलंकार होता है कलाकार : विजय मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल के नाट्यशाला में लोकनाट्य कलंकार की प्रस्तुति की गई। संस्कार भारती द्वारा आयोजित समारोह में दर्शकों ने कलाकारों की भरपूर सराहना की। नाटक में कलाकारों के साथ समाज में होने वाले दोहरे व्यवहार का चित्रण, कलाकार की व्यथा को उजागर किया गया।नाटक के सूत्रधार वरिष्ठ लोक रंगकर्मी विजय मिश्रा अमित ने कहा कलाकार कभी कलंकार नहीं होता। वह समाज का अलंकार होता है।कला की साधना इबादत से कम नहीं है। कलंकार के लेखक नरेंद्र जलक्षत्रीय ने प्रमुख पात्र नचकार चंदन तथा संतोष यादव ने गुरु मां की भूमिका को अपने उम्दा अभिनय-नृत्य से जीवंत कर दिया। गांव के लंगड़े घाघ सरपंच के पात्र को विजय मिश्रा अमित ने अपने अद्भुत अभिनय से एवं चंदन की मां अहिल्या के चरित्र को मनीषा खोबरागड़े ने बेहद मार्मिक अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नूतन- रौशनी साहू ने झगड़ालू औरतों की प्रवृत्ति को बड़ी खूबसूरती से करके तालियां बटोरने में कामयाबी पाई। अन्य पात्रों में प्रांजल राजपूत, ओम निषाद, देवा कश्यप, ज्योति, पायल, सुनिधि साहू, मैरी मसीह, ऋषिका शुक्ला, अभिषेक पाण्डेय ने अभिनय और नृत्य प्रतिभा के बूते ऊंचाई दी। संगीत लाईट का प्रभावी संचालन नाट्य निर्देशक अर्जुन मानिकपुरी, नीतिश यादव, अंजलि भट्ट, मानसी साहू, , तोसन निर्मलकर, नारायण -लोकेश-चंद्रहास साहू, कृष्णा सपहा, ने किया।

नवनिर्मित श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव 3 से 8 जून तक

विदिशा (विश्व परिवार)। समाधिस्थ संत आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज एवं आचार्य समयसागर महामुनिराज के आशीर्वाद से विदिशा नगर के नव निर्मित श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जिनविम्ब पंचकल्याणक

प्रतिष्ठा महामहोत्सव शंका समाधान एवं भावना योग प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 3 जून से 8 जून तक संपन्न होने जा रहे है। उपरोक्त जानकारी दयोदय महासंघ एवं जैन समाज विदिशा के प्रवक्ता अविनाश जैन ने देते हुये बताया मुनिसंघ अभी सागर में विराजमान है एवं जल्द ही मंगल विहार विदिशा की ओर होगा।

उपरोक्त जिनालय का निर्माण सनत जैन गौरव जैन मणीधर परिवार के द्वारा सागर रोड़ पर बंटीनगर चौराहा (रेल्वे ओव्हर ब्रिज क्रासिंग) पर कराया गया है।ज्ञातव्य रहे जब 2019 में मुनि श्री पुज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की चरण बंदना कर नेमावर से विदिशा से आऐ थे उसी समय इस जिनालय की नींव रखी गयी थी एवं पांच वर्ष पश्चात पुन: मुनि श्री का बुन्देलखण्ड की इस धरती पर आगमन हुआ और यह विदिशा नगर का सौभाग्य है कि मुनि संघ के सानिध्य में प्रथम पंचकल्याणक विदिशा नगर में प्रतिष्ठा चार्य अशोक भैयाजी एवं अभय भैयाजी के निर्देशन में संपन्न होंगे। चूंकि बुन्देलखण्ड की धरती पर मुनिसंघ के सानिध्य में यह प्रथम पंचकल्याणक होगा ज्ञातव्य रहे आचार्य गुरूदेव के आशीर्वाद एवं मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की प्रेरणा से जीवदया के क्षेत्र में दयोदय महासंघ की लगभग 150 गौ शालाओं के माध्यम से लाखों गौवंश का संरक्षण किया जा रहा है। इस आयोजन में दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय स्तर के सभी पदाधिकारियों तथा गुरु भक्तों की पधारेंगे अत: यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर से कम नहीं होगा।जिला सकल जैन समाज सकल दिगम्बर जैन समाज श्री दिगम्बर जैन शीतल विहार न्यास ट्रस्ट सहित मुनिसेवक संघ, श्री विद्यासागर दयोदय गौ संवर्धन केंद्र उदयगिरि, नवयुवक मंडल, समस्त सेवादल, समस्त महिलामंडल सहित भावना योग मंडल के सदस्यों ने सभी के स्वागत की व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी है। -**अविनाश जैन**

गणनी आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी का संघ सहित धर्म नगरी ललितपुर में 23 मई को होगा भव्य मंगल प्रवेश

ललितपुर (विश्व परिवार)। रत्नों मूंगे की नगरी मुंगावली मध्य प्रदेश की कोहिनूर 60 वर्षीय गणनीआर्यिका परम पूज्य 105 श्री सृष्टि भूषण माताजी एवम् आर्यिका श्री विश्वयश मति जी का प्रथम बार बुंदेलखंड के सिद्ध क्षेत्र के लिए प्रभावना पूर्वक बिहार चल रहा है। ललितपुर मंदिर पंचायत के डा अक्षय, आकाश जैन अनुसार आर्यिका संघ का ललितपुर में प्रथम बार प्रवेश 23 मई को होंगा आपकी ओजस्वी वाणी उपदेश से प्रभावित होकर अनेक नगरों की समाज क्षेत्र द्वारा आपको नगर आगमन हेतु श्रीफल भेंट कर निवेदन किया जा रहा इसी क्रम में ललितपुर समाज द्वारा निवेदन किया गया।वर्ष 2023 मुरादाबाद में चातुर्मास कर बुंदेलखंड यात्रा चल रही हैं वर्ष 2024 का वर्षायोग टीकमगढ़ मध्यप्रदेश में होगा

एक परिचय- डॉ. सुनील संचय राजेश पंचोलिया अनुसार मुंगावली मध्यप्रदेश की श्रीमती पदमा श्री कपूर चंद जी की कोख से 23 मार्च 1964 को जन्मी सुलोचना दीदी ने सिद्ध क्षेत्र श्री सोनागिर जी में आचार्य श्री शांति सागर जी छाणी परंपरा के आचार्य श्री सुमति सागर जी और विद्या भूषण आचार्य श्री सम्मति सागर जी से 26 मार्च 1994 को आर्यिका दीक्षा ली।आपका आर्यिका श्री सृष्टि भूषण जी नामकरण हुआ 30 वर्ष के संयमी जीवन में 10 से अधिक राज्यो मे भ्रमण कर धर्म की प्रभावना की। आपकी मंगल प्रेरणा से महाव्रती एवम अणु व्रती त्यागियो के लिए सृष्टि मंगलम संस्था के माध्यम से सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी, सोनागिर जी अतिशय

क्षेत्र महावीर जी, महानगर देहली में शुद्ध आहार की व्यवस्था चल रही हैं आदि सृष्टि संस्था के माध्यम से हजारों केंसर मरीजों तथा अन्य बीमारियों के इलाज कराए गए हैं। 30 वर्ष के संयमी जीवन में 25000 से अधिक किलोमीटर का विहार किया है 29 सितंबर 2019 को विश्व प्रसिद्ध संस्था ने मानव रत्न अलंकरण से देहली में विभूषित किया। आपके प्रवचन प्रतिदिन पारस पर शाम 5 बजे एवम जिनवाणी चेनल पर शाम 5.40 को तथा सृष्टि मंगलम यू ट्यूब पर प्रसारित होते हैं संघस्थ देहली की श्रीमती सरिता राकेश जी के यहां 1986 में जन्मी बाल ब्रह्मचारिणी नेहा दीदी विगत 16 वर्षो से माताजी की परछाई बनी हैं। विजया दशमी 5 अक्टूबर 2022 को अतिशय क्षेत्र महावीर जी में प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांति सागर जी की अक्षुण्ण मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाशीश वात्सल्य वारिधी 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी से आर्यिका दीक्षा हुई आपका नाम 105 आर्यिका श्री विश्वयश मति किया गया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज ने कहा- स्वयं को सुधारने का मार्ग है सन्यास

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का पदविहार कुलचाराम हैदराबाद की और अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रहा है विहार के दौरान भक्त जन को प्रवचन में कहा कि अपनी आदतों के अनुसार चलने में, इतनी गलतियाँ नहीं होती, जितनी दुनिया का ख्याल और लिहाज रखकर चलने में होती है। इसलिए स्वयं को सुधारने का मार्ग है सन्यास। दीक्षा या सन्यास सिर्फ वेश परिवर्तन का नाम नहीं है। बल्कि यह तो भाव परिवर्तन का पुरूषार्थ, आत्म ज्योति के दीप के दीपित होने का पावन पुनीत अवसर, पशुता के भावों के क्षपण का उपक्रम, परिणामों का परिवर्तन और दीक्षित परिणामों का सदैव सुमिरन का सर्वोत्तम प्रसंग है।

दीक्षार्थी या सन्यासी हर पल आत्मालोचना का अन्त:करण से उद्भूत अभ्यास यह चिन्तन करता है कि यदि किन्चित भी विकृति हो जाये मन में, तो उसी क्षण ही हो जाये, विकृत भाव का परिमार्जन/ संशोधन के साथ पुरूषार्थ की कलिकाल की यह साधना मुक्ति प्रदायक होगी, भव भव का यह पुरूषार्थ कभी व्यर्थ नहीं जायेगा। जन्म-मृत्यु के चक्र जाल से मुक्त होगी और विहार करेगी स्वतन्त्रता के उन्मुक्त गगन में। दीक्षार्थी साधक की सम्यक्त्व को समर्पित सच्ची भावना का उपादान और दीक्षा प्रदायक गुरू का अनुग्रह दोनों का जब युग्म होता है, तब दीक्षा सम्पन्न होती है। शिष्य की सुषुप्त शक्ति को जगाने का निमित्त सृजित होता है। दीक्षा के समय दीक्षार्थी को उतना पता नहीं चलता कि इस रूपांतरण से क्या मिला है- ? परन्तु जब दीक्षार्थी रत्नत्रय की साधना में रमता है, वीतराग की भक्ति के भजन से, मन आँगन को सींचता है, अपने सच्चे श्रद्धान को आत्म-स्वरूप के चिन्तन-मनन में समर्पित करता है, , तब दीक्षा पनपती है, समृद्ध होती है और प्रस्थान करती है देह से विदेह की साधना पथ पर। सिर मुण्डन, कैशलोंच के साथ, मन का मुण्डन भी होता है। इन्द्रियों को वश में किया जाता है एवं वस्त्र त्याग के साथ साथ, विकारों को पूर्ण रूपेण हटाया जाता है। -**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

धार्मिक शिक्षण शिविर में बच्चों ने ली जैन धर्म की शिक्षा और पूजा प्रशिक्षण का ज्ञान, बांटे पुरस्कार

जयपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अन्तर्गत संचालित संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरो में 15 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर चल रहे हैं।

इसी के अन्तर्गत निर्माण नगर की पदमावती कालोनी स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में बच्चों ने शिविर में भाग लेते हुए धार्मिक ज्ञान प्राप्त किया।

पं. राहुल जैन शास्त्री के नेतृत्व में गत एक वर्ष से संचालित विद्या सुधा संस्कार पाठशाला में रविवार को मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा शामिल हुए। इस मौके पर मंदिर कमेटी एवं महिला मण्डल की ओर से दोनों अतिथियों का तिलक, माल्यार्पण, दुपट्टा व साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

प्रदीप जैन एवं विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए पिछले एक साल से धार्मिक पाठशाला संचालित कर बच्चों में संस्कार देने के लिए पूरी कमेटी एवं आयोजको को साधुवाद एवं बधाई दी।

इस मौके पर मांगीलाल जैन, प्रकाश सेठी, मनीष बगड़ा, विमला ठोलिया, निधि बडजात्या, प्रमिला जैन, संतोष जैन, मंजू जैन तिजारा, संतोष बगड़ा सहित बडी संख्या में समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए।

श्रीमती विमला ठोलिया ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण लगभग 3 वर्ष पूर्व किया गया था। पिछले एक वर्ष से विद्या सुधा संस्कार पाठशाला में बच्चों व महिलाओं को धार्मिक कक्षाओं के माध्यम से जैन धर्म की शिक्षा एवं ज्ञान दिया जा रहा है।

मंदिर में चल रहे 15 दिवसीय विशेष शिविर में जैन धर्म शिक्षा भाग 1 एवं भाग 2के शिक्षण के साथ पूजन प्रशिक्षण, छह ढाला, तत्वार्थ सूत्र इत्यादि का शिक्षण कराया जा रहा है। शिविर में 5 वर्ष से 80 वर्ष तक के बालक बालिकाएं तथा महिलाऐं बडी संख्या में शिक्षण ले रही है।

माटी का जीवन कुंभकार के निर्देशन में स्वर्णिम बनेगा : विनोद भैया आचार्य

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर विगत 17 मई से अनवरत चल रहा है और हर वर्ग इसमें धर्म का ज्ञान प्राप्त कर कर्म निर्जरा कर रहा है। सुबह से ही हर वर्ग मंदिर में आना शुरू हो जाता है। उत्साह के साथ अभिषेक शांति धारा आदि में संलग्न हो जाता है खासकर युवा वर्ग अभिषेक शांति धारा के प्रति काफी संलग्न दिखाई देता है। जो अपने आप में एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यह बात सार्थक सिद्ध हो रही है कि शिविर संस्कारों का शंखनाद करता है। ठीक वैसा ही प्रतीत अभी हो रहा है। भीषण गर्मी के बावजूद भी धर्म अध्ययन में खासा उत्साह देखा जा रहा है। संध्या की बेला में तो चल रही कक्षाओं में तो हर वर्ग धर्म अध्ययन करने के लिए आतुर सा दिखाई देता है बना प्रवचन पंडाल खचाखच भरा दिखाई देता है जो की एक इतिहास रच रहा है।

श्री सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर एवं मूकमाटी अर्थज्ञान शिविर के चतुर्थ दिवस प्रात: काल अभिषेक पूजनादि के उपरान्त बच्चों की सामूहिक कक्षा लेते हुए शिविर निर्देशक प्रशान्त जैन आचार्य ने उन्हें धार्मिक अध्ययन कराया, इसी क्रम में भक्तामर स्तोत्र की कक्षा लेते हुए हेमन्त जैन आचार्य के द्वारा अध्ययन कराया गया। तथा छहढाला जी की कक्षा लेते हुए मनोज जैन आचार्य के द्वारा अध्ययन कराया गया।

जानकारी देते हुए शिविर संयोजक श्री आकाश जैन आचार्य ने बताया कि प्रात: स्वयंभूस्तोत्र की कक्षा सांगानेर से पधारे विनोद आचार्य के द्वारा ली गई जिसमें उन्होंने शांतिनाथ भगवान की स्तुति को बड़े ही रोचक ढंग से पढ़ाया एवं समझाया। साथ ही सायंकाल की बेला में आचार्य श्री की जीवंत कृति मूकमाटी के अलौकिक विचारों को लौकिक उदाहरणों से समझाया। साथ ही आचार्य श्री के उन विचारों को भी समझाया गया की आचार्य श्री अप्रतिम रहे जैसे -

पूत के लक्षण पालने में इस सूक्ति का सही अर्थ यह होना चाहिए कि सती-संतों की आज्ञा पालने में ही पूत के लक्षण हैं न कि पालने में झूला झूलने में। साथ ही मार्मिक, कार्मिक, धार्मिक, और चार्मिक चिंतन के साथ धरती मां के द्वारा संबोधित माटी ने अपने उद्गार व्यक्त किए। माटी का जीवन कुंभकार के निर्देशन में स्वर्णिम बनेगा। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

दिल्ली हाईकोर्ट में मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया द्वारा दायर जमानत याचिका खारिज कर दी है। सिसौदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में जमानत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने सिसोदिया को सप्ताह में एक बार अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी है। यह आप नेता मनीष सिसौदिया द्वारा दायर की गई दूसरी जमानत याचिका थी। सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के बाद 26 फरवरी, 2023 से सिसोदिया हिरासत में हैं। इसके बाद उन्हें 9 मार्च 2023 को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। बता दें कि इसके पहले सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिल चुकी है जिसके बाद से वो लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में 9 दिवसीय सम्यकज्ञान शिविर का हुआ शुभारभ

अति हर चीज की बुरी होती है : स्वस्तिभूषण माताजी

केशोरायपाटन (विश्व परिवार)। परम पूजनीय भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी सानिध्य मे 9 दिवसीय सम्यकज्ञान शिविर काशुभारभ अतिशय क्षेत्र पर हुआ शिविर शुभारभ होने से मंगलवार की बेला और मंगलमय हो गई इस क्रम मे सर्वप्रथम भगवान् मुनिसुव्रतनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा गुरु माँ के सानिध्य मे सम्पन्न हुयी उसके बाद भव्य समारोह मे सम्यकज्ञान शिविर का शुभारभ किया जिसमे श्रीजी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन क्षेत्र प्रबंधकार्यकारिणी के द्वारा किया गया इस आयोजन के क्रम मे भव्य मंगलाचरण प्रस्तुति दी गयी जानकारी देते हुए चेतन जैन एवम विश्वास जैन ADVOCATE ने बताया की प्रबंधकार्यकारिणी एवम नगरजन की और से गुरु माँ को भक्तिभाव के साथ वर्षायोग 2024 हेतु निवेदन किया जिसे गुरु माँ ने गदगद भाव से सुना इस अवसर पर अध्यन कराने आए विद्वत जन का सम्मान किया गया उन्होने बताया

की यह शिविर 29 मई तक चलेगा।

मांगलिक पलो मे गुरु माँ ने कहा की अति हर चीज की बुरी होती है अनुशासन बनाने के लिए गुस्सा अच्छा है लेकिन हमेशा गुस्सा ही करते रहे यह अच्छा नहीं है माताजी ने कहा अधिक दवाई खाना अधिक खाना घातक होता है अति हर चीज की बुरी होती है मोबाइल ज्यादा चलाना भी घातक होता है एक उदाहरण के माध्यम से बताया की सब्जी मे तेल डालना अच्छी बात है ज्यादा डाल दिया तो उन्होने कहा अति सर्वत्र वर्जयन्ति इसलिए जो चीज़ आपको सबसे अच्छी लगती है सबसे पहले उसे छोड़ो चाय ज्यादा सबसे ज्यादा अच्छी लगती है सबसे पहले वह छोड़ो जो चीज तुम्हे ज्यादा अच्छी लगती है वो तुम्हे बीमार करती है वो तुम्हे कमजोर करती है यह कमजोरी एक दिन तुम्हारी आदत बन जाएगी यह आदत तुम्हारा माइनस पॉइंट बन जाएगी बच्चो को भी अति को छोड़ने के लिए कहे और उनसे कहे अति अच्छी नहीं होती उन्होने कहा तीर्थंकरो मे वीर का गर्मी मे नीर का लगने वाले शिविर का बड़ा ही महत्व है। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, बुधवार 22 मई 2024

किसानों की आय संवृद्धि के लिए उद्यानिकी फसलों एवं साग-सब्जी उत्पादन को दें बढ़ावा : कलेक्टर विजय दयाराम के.

आयल पॉम,काजू एवं रबर की खेती को प्रोत्साहित करने पर बल

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि किसानों की आय संवृद्धि के लिए उद्यानिकी फसलों सहित साग-सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। जिले के लोहण्डीगुड़ा, बास्तानार एवं दरभा ब्लॉक में उद्यानिकी फसलों और साग-सब्जी उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, यहां के किसानों को प्रेरित कर उन्हें लाभान्वित किये जाने बेहतर कार्य करें। आयल पॉम, काजू और रबर की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से फोकस कर क्रियान्वयन किया जाए।

कलेक्टर विजय रविवार को कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में उद्यानिकी विभाग की विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि उद्यानिकी फसलों और साग-सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने का परिवर्तन परिलक्षित हो, इसे ध्यान रखकर फील्ड में बेहतर कार्य करें। इस दिशा में लक्ष्य को हासिल करने उत्कृष्ट प्रदर्शन अवश्य करें। ज्यादा से ज्यादा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान करें, जिससे किसान उद्यानिकी फसल एवं साग-सब्जी उत्पादन कार्य को रुचि के साथ कर सकें। उन्होंने विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान पोषण बाड़ी विकास योजना को जिले के सभी स्कूल सहित आश्रम-छात्रावास में क्रियान्वयन सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी ब्लॉक में 15 पॉली हाउस बनाने के लक्ष्य के अनुरूप लाभान्वित करने के लिए किसानों का चयन किये जाने कहा।

उन्होंने जिले में उद्यानिकी गतिविधियों को विस्तार करने हेतु बास्तानार,दरभा और बकावंड में नवीन नर्सरी विकसित किये जाने के निर्देश दिए। बैठक में राज्य पोषित योजना, सामुदायिक फेंसिंग योजना, सूक्ष्म सिंचाई योजना, सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना, पुष्प क्षेत्र विस्तार योजना, शेडनेट हाउस योजना, उद्यानिकी यंत्रीकरण, पैक हाउस योजना इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की गई।

खरीफ फसल कार्यक्रम के लिए किसानों को मांग के अनुरूप बीज-खाद उपलब्ध करवाने के निर्देश

कलेक्टर विजय दयाराम के.ने कहा कि किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों से भी आमदनी हो, इसे मद्देनजर रखते हुए खरीफ फसल सीजन में धान के साथ ही कोदो-कुटकी एवं रागी जैसे लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए शिद्दत से पहल किया जाए। टिकरा एवं मरहान भूमि में इन लघु धान्य फसलों की पैदावार लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर उन्हें बीज और आवश्यक आदान सहायता उपलब्ध करवाएं। खरीफ फसल कार्यक्रम के लिए किसानों को मांग के अनुरूप बीज-खाद सुलभ कराया जाए। वहीं अधिकाधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान करवाएं,जिसमें वनाधिकार पट्टेधारी किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर केसीसी प्रदान किया जाए।
कलेक्टर विजय ने रविवार को कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में कृषि विभाग की विभागीय गतिविधियों एवं योजनाओं की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने खरीफ फसल सीजन 2024 के अंतर्गत निर्धारित क्षेत्राच्छादन लक्ष्य, पूर्ति हेतु कार्ययोजना की गहन समीक्षा में कहा कि बीज-खाद का पर्याप्त भंडारण के साथ किसानों को 15 जुलाई तक बीज-खाद की अनिवार्य रूप से उपलब्धता सुनिश्चित करें। कोदो-कुटकी एवं रागी का बीज सुलभ करवाने के लिए कृषि विभाग,कृषि विज्ञान केन्द्र और बीज विकास निगम द्वारा समन्वय सुनिश्चित किया जाए और सभी विकासखण्डों में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार बुवाई के लिए काम करें।
कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड प्रदाय लक्ष्य को 30 जून तक अनिवार्य तौर पर पूर्ण करने पर जोर देते हुए लक्ष्य की पूर्ति नहीं करने वाले कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने अमानक बीज एवं खाद विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने पर बल देते हुए कहा कि किसी क्षेत्र से शिकायत प्राप्त होने की स्थिति में सम्बंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग तथा नवीन पंजीयन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वायल हेल्थ कार्ड, जैविक खेती हेतु लक्ष्य की पूर्ति हेतु कार्ययोजना पर गम्भीरता से कार्य किये जाने के निर्देश दिए गए।
बैठक में अवगत कराया गया कि खरीफ फसल सीजन 2024 हेतु एक लाख 64 हजार 167 हेक्टेयर रकबा में क्षेत्राच्छादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में अब तक 8032 क्विंटल बीज एवं 13511 मीट्रिक टन खाद का भंडारण कर 772 क्विंटल बीज एवं 3974 मीट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया गया है। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, उपसंचालक कृषि राजीव श्रीवास्तव सहित मार्कफेड, बीज विकास निगम के अधिकारी और जिले में पदस्थ अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद थे।

2580वां जिनशासन स्थापना दिवस मनाया गया

राजनांदगांव। 2580 साल पहले 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी जी ने अपने असीम ज्ञान दीपक द्वारा इस अन्धकार में डूबे संसार को प्रकाशित किया था और अपने शासन की स्थापना की थी। सकल जैन श्री संघ की साक्षी में जयपाल विजय जी महाराज साहब आदि ठाणा 3 एवं साध्वी राजरत्ना जी महाराज साहब आदि ठाणा 17 की पावन निश्रा मेंजैन संघ के सुश्रावक भिखमचंद छाजेड एवं पदमचंद पारख द्वारा आज श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर के समीप ध्वजारोहण किया गया।

सकल जैन श्री संघ के अध्यक्ष मनोज बैद ने बताया की 2580 वर्ष पूर्व मिगसर वदि 10 के दिन प्रभु महावीर ने 'शिवमस्तु सर्वजगतः' के सिद्धांत को हम तक पहुंचाते हुए, सभी जीवों को अभयदान देने के लिए पंच महाव्रतों को धारण किया था यानी दीक्षा ली थी।दीक्षा के बाद लगभग साढ़े 12 वर्ष तक घोर उपसर्ग और परिषह सहते हुए वैशाख सुदी 10 के दिन जृंभिका गांव के पास ऋजूवालिका नदी के तट के समीप शाल वृक्ष के नीचे गोधुहिका मुद्रा में ध्यानस्थ प्रभु को सर्वज्ञान यानी केवलज्ञान प्रकट हुआ। सकल जैन श्री संघ से ओम कांकरिया, राजेंद्र सुराणा, ज्ञानचंद कोठारी, श्रीचंद कोचर, मनीष छाजेड, दिनेश लोढ़ा, अशोक चंद बैद, प्रेमचंद लुनिया, निर्मल बैद, कोमल कोठारी, फनेंद्र बैद, जयचंद ललवानी, रितेश लोढ़ा, आकाश चोपड़ा, भरत डाकलिया, श्राविका वर्ग से सरोज गोलछा, सरला लुनिया, रेखा कोटड़िया आदि सहित श्रावक-श्राविका बच्चे सभी वर्ग के लोग उपस्थित थे।

ग्रामीणों के स्वास्थ्य की चिंता करना बस्तर सामाजिक जन विकास समिति का मूल उद्देश्य

जगदलपुर। संस्था बस्तर सामाजिक जन विकास समिति, बहार फाउंडेशन (बैंगलोर), अनामय पिरामल स्वास्थ्य (दिल्ली) के संयुक्त गतबंधन द्वारा संचालित परियोजना संगवारी बस्तर जिले के दूरस्त ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित है। परियोजना की शुरुवात 2022 में जगदलपुर, बस्तर एवं दरभा ब्लॉक के 16 ग्रामों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को ग्रामीण आदिवासी महिलाओं द्वारा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किया गया। परियोजना अंतर्गत आदिवासी महिलाओं को केंद्र में रख प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा को ग्रामीणजनों तक प्रदान करवाना और उनके बदले न्यूनतम पैसे की मांग करना है। जैसे बी.पी के लिए 10 रुपये, शुगर के लिए 30 रुपये, खून के लिए 60 रुपये, वजन, ऊँचाई, तापमान, पल्स आक्सिजन प्रत्येक सेवा का 5 रुपये निर्धारित किया गया है। इन आदिवासी महिलाओं के माध्यम से फोन के जरिए डॉक्टर परामर्श की सुविधा जिसका 50 रुपये मूल सुनिश्चित किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के द्वारा आय अर्जन से ग्रामीण आदिवासी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का यह एक छोटा सा प्रयास है। संस्था बस्तर सामाजिक जन विकास समिति के 'माँ विमला देवी सभा कक्ष' में परियोजना के दूसरे चरण अंतर्गत 25 नए ग्रामों की संगवारीयों एवं पहले चरण की संगवारियों को उपकरण प्रशिक्षण के उद्देश्य से तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण की शुरुवात संस्था सचिव सुशील कुमार पाण्डेय, पिरामल स्वास्थ्य से सुनील थापलीयाल, देवेंदर त्यागी, बहार फाउंडेशन से डॉ. सतेंद्र वर्मा साथ ही संस्था प्रोजेक्ट ऑफिसर गौरव पाण्डेय, फील्ड ऑफिसर डॉ. नारायण दास पंथ, परियोजना प्रबंधक सियाराम नेताम, थबीर सिंह चंदेल, निशा मंडल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर प्रशिक्षण की शुरुवात की गई। तत्पश्चात संस्था सचिव द्वारा अपने सम्बोधन में परियोजना के अबतक के सफर को साझा करते हुए उपस्थित सभी संगवारियों को प्रशिक्षण में प्रदान किए जाने वाले आयामों को समझ कर अपने कार्य में शामिल करने को कहा गया। आगामी महीने में सम्मान समारोह ग्राम तीरथगढ़ में आयोजित कर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाना है। अपने सम्बोधन में सचिव द्वारा कहा गया की संस्था निरंतर प्रयासरत है अपने सभी कर्मचारियों द्वारा संगवारियों को समय-समय पर फील्ड में सहयोग प्रदान करती आ रही है। साथ ही भविष्य में नवाचार के साथ सुविधाओं में वृद्धि कर ग्रामीणों तक उपचार के नए साधनों की पहुँच बढ़ाया जाए। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में उपकरण के उपयोग के साथ साथ संगवारियों को मोबाइल फोन उपयोग एवं जानकारी, सॉफ्ट कम्युनिकेशन स्किल, जल जनित रोग एवं वेक्टर जनित रोग के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण में परियोजना प्रबंधक इकाई हर्षिता गुप्ते, दामिनी चंद्राकर, ब्लॉक समनव्यक सुष्मिता बघेल एवं यशवंत कश्यप भी उपस्थित रहे।

जानी-मानी कैंसर विशेषज्ञ डॉ. (प्रोफेसर) ज्योति बाजपेयी ने लीड-मेडिकल एंड प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी (मुंबई और महाराष्ट्र क्षेत्र) के रूप में अपोलो कैंसर सेंटर ज्वॉइन किया

मुंबई : अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने आज घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात सीनियर ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. ज्योति बाजपेयी ने कैंसर के खिलाफ संघर्ष में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए लीड-मेडिकल एंड प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी (मुंबई और महाराष्ट्र क्षेत्र) के रूप में अपोलो कैंसर सेंटर में ज्वॉइन किया है। डॉ. बाजपेयी इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी, प्रिसिजन मेडिसिन, दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण कैंसरों (सारकोमा, गर्भावस्था से संबंधित कैंसर, किशोरों और युवा वयस्क संबंधित कैंसर, एलजीबीटीक्यू+ कैंसर, वृद्धावस्था कैंसर) और महिलाओं के कैंसर (ब्रेस्ट और गायनेकोलॉजिकल) के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए विख्यात चिकित्सक हैं। कैंसर के क्षेत्र में उनका 19 वर्षों से अधिक का अनुभव है, जिसमें टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई में प्रोफेसर और ब्रेस्ट डीएमजी कन्वेनर के रूप में 15 वर्षों का अनुभव शामिल है। न्यूयॉर्क, यूएसए में प्रतिष्ठित मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर (एमएसकेसीसी) से इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी और मेलानोमा में विशेष प्रशिक्षण और बाल्टीमोर, यूएसए में जॉन्स हॉपकिंस में प्रतिष्ठित सिडनी किमेल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर से बोन और सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा में व्यापक अनुभव के साथ, डॉ. बाजपेयी को काफी अनुभव आधारित विशेषज्ञता प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दिल्ली के प्रतिष्ठित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एआईआईएमएस) से प्रशिक्षण लिया है और ईएसएमओ लीडरशिप ग्रेजुएट हैं। अपोलो कैंसर सेंटर्स (मुंबई और महाराष्ट्र क्षेत्र) में मेडिकल और प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी के प्रमुख डॉ. ज्योति बाजपेयी ने इस संबंध में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि, अपोलो कैंसर सेंटर्स से जुड़ना मेरे लिए बड़ी प्रसन्नता की बात है, जो कि वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के समकक्ष सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। प्रोटॉन बीम थेरेपी, ब्रेन ट्यूमर के लिए ,क्क-ङ्ग थेरेपी और ट्यूमर बोर्ड आधारित उपचार प्रोटोकॉल जैसी उन्नत सुविधाएं हमारे रोगियों को सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने में मुझे सक्षम बनाएंगी।

सोनी इंडिया ने ब्राविया 2 सीरीज को किया लॉन्च, गूगल टीवी और बेहतर गेमिंग क्षमताओं का लीजिए आनंद

नई दिल्ली- सोनी इंडिया ने अपना नवीनतम इनोवेशन, ब्राविया 2 सीरीज पेश किया है, जिसमें 4के अल्ट्रा एचडी एलईडी डिस्प्ले तकनीक है और जिसका उद्देश्य अपग्रेड की चाह रखने वालों के लिए मनोरंजन के अनुभव को और भी बेहतर बनाना है। ब्राविया 2 सीरीज को गूगल टीवी के साथ इंटीग्रेट किया जा सकता है और इस तरह यूजर आसानी से अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार ऐप्स, स्ट्रीमिंग सेवाओं और लाइव टीवी चैनलों की एक विस्तृत रेंज तक पहुंच सकते हैं। यूजर अगर किसी रोमांचक गेमिंग सेशन का आनंद लेना चाहें, या अपनी पसंदीदा फिल्मों और टीवी शो का मजा उठाना चाहें- ब्राविया 2 सीरीज में उन्हें मिलता है टीवी देखने का एक बेहतरीन अनुभव। इस लिहाज से ब्राविया 2 सीरीज उन लोगों के लिए जरूरी हो जाती है जो अपने घरेलू मनोरंजन सेटअप को और बेहतर बनाना चाहते हैं। ब्राविया 2 सीरीज़ में दो अलग-अलग वेरिएंट प्रस्तुत किए गए हैं- एस25 वेरिएंट, जो गेमिंग में दिलचस्पी रखने वालों के लिए उपयुक्त है, और इसका काउंटरपार्ट एस20, जो दूसरी तमाम खूबियों पर फोकस करता है। सोनी की नई ब्राविया 2 सीरीज 108 सेमी (43), 126 सेमी (50), 139 सेमी (55), 164 सेमी (65) स्क्रीन साइज में उपलब्ध है। इसमें X1 पिक्चर प्रोसेसर शामिल है।

साहू समाज किरन्दुल के पदाधिकारियों ने डिप्टी सीएम से की सौजन्य मुलाकात

किरंदुल। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरूण साव से राजधानी रायपुर स्थित प्रशासनिक निवास गृह में विनोद साहू प्रदेश युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तैलिक महासभा के नेतृत्व में तहसील साहू समाज किरंदुल के अध्यक्ष टीकमचंद साहू, सचिव देवेन्द्र साहू तथा जिला साहू संघ उपाध्यक्ष ढाल सिंह साहू ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री के साथ सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई।

डीजे-धुमाल पर कार्रवाई, सामान जब्त

राजनांदगांव। आदर्श आचार संहिता के दौरान डीजे संचालकों एवं धुमाल पार्टियों के द्वारा जिला प्रशासन के बिना अनुमति देर रात्रि तक अत्यधिक आवाज में डीजेसाउण्ड सिस्टम एवं धुमाल बाजा बजाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पारीकला के पास मेन रोड में श्री शिवम धुमाल पार्टी के संचालक मोसफी के कब्जे से वाहन टाटा 407 पिकअप में लगा साउण्ड सिस्टम एवं डिस्कोलाईट व धुमाल जब्त किया गया है। इसी तरह तिरंगा चौक कन्हारपुरी में साई कृपा धुमाल पार्टी के संचालक रिक्की सोनेकर के कब्जे से वाहन टाटा 407 पिकअप मे लगे साउंड सिस्टम और दूसरे सामान बरामद किए गए हैं।

मानव मंदिर चौक राजनांदगांव के पास से देवभूमि धुमाल पार्टी पर भी कार्रवाई की गई है। तीनो डी जे धुमाल संचालको के खिलाफ छ0ग0 कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 4, 15 के तहत पृथक-पृथक कार्यवाही की गई। डीजे धुमाल संचालको के खिलाफ आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

ग्राम सेमर्हा में लगभग 50 फीट ऊँचाई से माजदा पिकआप वाहन गिरने से 19 लोगों की मृत्यु

सेमर्हा। ग्राम सेमर्हा में लगभग 50फीट ऊँचाई से माजदा पिकआप वाहन गिरने से 19 लोगों की मृत्यु हुई है । माजदा के मालिक बालकृष्णा साहू कुई वाले का है । ग्राम सेमर्हा से लगभग 30-35 लोग बहपानी तेंदूपत्ता तोड़ने गए हुए थे । गाड़ी दमगड़ निवासी ड्राइवर चला रहा था । जो तेंदूपत्ता तोड़ने के बाद वापस आने के समय घटना घटी । जिसमें जानकारी अनुसार पता चला है की ड्राइवर अपने परिवार में लड़ाई - झगड़ा के बाद वाहन चला रहा था और जानकारी अनुसार ड्राइवर काफी गुस्से में लग रहा था। इस दौरान ड्राइवर खाई में जाते देख गाड़ी से तेंदूपत्ता तोड़ने वाले आदिवासी को बिना बताए गाड़ी से कूद गया जिसमें तेंदूपत्ता तोड़ने वाले आदिवासियों में हड़बड़ी मच गयी और एक एक कर कूदने का प्रयास करने लगे।

प्रिस्टीन केयर और मोहक बैरिएट्रिक्स ने एप्पल विजन प्रो का इस्तेमाल कर दुनिया की पहली लाइव बैरिएट्रिक सर्जरी की

नई दिल्ली: प्रिस्टीन केयर ने मोहक बैरिएट्रिक्स एंड रोबोटिक्स के सहयोग से एप्पलविजन प्रो का इस्तेमाल कर दुनिया की पहली लाइव बैरिएट्रिक सर्जरी की। स्लीव गैस्ट्रिक बाईपास और सिंगल एनास्टोमोसिस ड्यूडेनल इलियल (एसएडीआई) प्रक्रिया के समावेश वाली यह अभूतपूर्व प्रक्रिया देश के अग्रणी बैरिएट्रिक एवं रोबोटिक सर्जनों में शुमार डॉ. मोहित भंडारी ने अंजाम दी। एप्पल विजन प्रो जैसे उन्नत संवर्धित वास्तविकता (एआर) उपकरण का इस्तेमाल, मेडिकल टेक्नोलॉजी और सर्जिकल सटीकता में मील का पत्थर साबित हुआ। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया और हाई ब्लड प्रेशर से ग्रस्त, 155 किलो वजन वाले 45 वर्षीय मरीज पर यह सर्जरी 40 मिनट में की गई। एप्पल विजन प्रो ने जो बहुत ज्यादा गहन और इंटरैक्टिव 3डी वातावरण प्रदान किया, उससे डॉ. भंडारी और उनकी टीम को अभूतपूर्व स्पष्टता के साथ जटिल शारीरिक संरचनाओं की कल्पना करने में मदद मिली। इस तकनीक ने स्लीव गैस्ट्रिक बाईपास और एसएडीआई प्रक्रिया को क्रियान्वित करने के साथ-साथ जोखिम कम करने और मरीज के नतीजों में सुधार लाने में ज्यादा सटीकता प्रदान की।

वंडरला: भारत की सबसे बड़ी मनोरंजन पार्क श्रृंखला भुवनेश्वर में कर रही है विस्तार

भुवनेश्वर: भारत की सबसे बड़ी मनोरंजन पार्क श्रृंखला, वंडरला हॉलिडेज़, भुवनेश्वर के कुम्भारबास्ता में अपने नवीनतम पार्क के शुभारंभ की घोषणा करते हुए रोमांचित है। कोच्चि, बेंगलुरु और हैदराबाद के बाद वंडरला के सम्मानित पोर्टफोलियो में इसका चौथा स्थान है। यह वेंचर सन 2000 में स्थापना के बाद से अद्वितीय मनोरंजन का अनुभव प्रदान करने के लिए वंडरला की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी के रूप में वंडरला अपनी उपस्थिति का विस्तार करने और अपने प्रिय मेहमानों की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अपने आप को समृद्ध करने में लगातार प्रयत्नशील रहा है। उसी की घोषणा करने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अरुण के चिट्टिलपिल्ली, एमडी; शिवदास एम, अध्यक्ष; धीरन चौधरी, सीओओ; अजीकृष्णन एजी, वीपी- इंजीनियरिंग और कल्पतरु नायक, पार्क प्रमुख- भुवनेश्वर शामिल हुए। वंडरला ओडिशा की शुरुआत 2019 में ओडिशा पर्यटन निवेशक संवाद बैठक के दौरान सरकार के आमंत्रण से हुई, जिसमें सरकारी भूमि पर 90 साल के पट्टे के लिए राज्यस्तरीय विंडो प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) से ×ह्लह्वश्ह्ल;सैद्धांतिक रूप से×ह्लह्वश्ह्ल; मंजूरी 2020 में मिली। लगभग 190 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, वंडरला भुवनेश्वर हाई-स्पीड कोस्टर से लेकर परिवार के अनुकूल आकर्षण तक, 21 से अधिक रोमांचकारी सूखे में और पानी से जुड़े राइड्स का प्रदर्शन करता है जो अविस्मरणीय रोमांच का वादा करते हैं। एनएच 16 (कलकत्ता-चेन्नई) के पास भुवनेश्वर से सिर्फ 22.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वंडरला पार्क एडवेंचर पसंद लोगों के लिए अल्टीमेट डेस्टिनेशन है। ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक वैभव के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में डिज़ाइन किया गया वंडरला भुवनेश्वर 50 एकड़ से अधिक जगह में फैला हुआ है और इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति से प्रेरित यात्रा को अलग अनुभव प्रदान करता है। रोमांचकारी अनुभव प्रदान करने के अलावा वंडरला एम्यूज़मेंट पार्क स्थानीय समुदाय में आर्थिक विकास को चलाने के लिए प्रतिबद्ध भी है। अनुमानित 450 रोजगार के अवसरों के साथ विशेष रूप से अकुशल क्षेत्र में यह पार्क भुवनेश्वर और उसके आसपास के क्षेत्रों के कई निवासियों को आजीविका प्रदान करेगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

धर्म-कर्म

रायपुर, बुधवार 22 मई 2024

हिंदू धर्म में गंगा स्नान का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। जिस प्रकार संस्कृत भाषा को देववाणी कहा जाता है, उसी प्रकार गंगाजी को देव नदी कहा जाता है। गंगा भारत की ही नहीं बल्कि विश्व की परम पवित्र नदी है। इस तथ्य को भारतीय तो मानते ही है, विदेशी विद्वान भी इसे स्वीकार करते है।

प्रचलित मान्यता

ऐसा माना जाता है कि गंगा जी स्वर्गलोक से ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को पृथ्वी पर उतरी थीं। इसी दिन सूर्यवंशी राजा भगीरथ की पीढ़ियों का परिश्रम और तप सफल हुआ था। उनके घोर तप के फलस्वरूप गंगाजी ने शुष्क तथा उजाड़ प्रदेश को उर्वर तथा शस्य श्यामल बनाया और भय-ताप से दग्ध जगत के संताप को मिटाया। उसी मंगलमय सफलता की पुण्य स्मृति में गंगा पूजन की परंपरा प्रचलित है।

भारतीय संस्कृति और गंगा

गंगा, गीता और गौ को भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व दिया गया है। प्रत्येक आस्तिक भारतीय गंगा को अपनी माता समझता है। गंगा में स्नान का अवसर पाकर कृत-कृत्य हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन गंगा के प्रति अपनी सारी कृतज्ञता प्रकट की जाती है। ऐसा माना जाता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान और पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते है। गंगा दशहरा के दिन यदि संभव हो तो गंगा स्नान अवश्य करना चाहिए अथवा किसी अन्य नदी, जलाशय में या घर के ही शुद्ध जल से स्नान करें, पर गंगा जी का स्मरण और पूजन करे।

गंगा पूजन के साथ उनको भूतल पर लाने वाले राजा भागीरथ और उद्गम स्थान हिमालय का भी पूजन नाम मंत्र से करना चाहिए। इस दिन गंगा जी को अपनी जटाओं में समेटने वाले भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए। संभव हो तो इस दिन दस फूलों और तिल आदि का दान भी करना चाहिए।

पौराणिक कथा

प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के सूर्यवंशी राजा सगर ने एक बार अश्वमेघ यज्ञ का अनुष्ठान किया। यज्ञीय अश्व की रक्षा के लिए उनके साठ हजार पुत्र उसके पीछे-पीछे चले। इंद्र ने ईर्ष्यावश यज्ञ के अश्व को पकड़वा कर कपिल मुनि के आश्रम में बंधवा दिया। सागर पुत्र जब अश्व को खोजते हुए कपिल मुनि के आश्रम में गए, तो वहां यज्ञ के घोड़े को देखकर ऋषि को भला-बुरा कहा। ऋषि को इंद्र के षड्यंत्र का पता न था अतएव उन्हे भी क्रोध आया और उन्होंने हुंकार से राजकुमारों को भस्म कर दिया।

जब बहुत दिन बीत गए और कोई भी राजकुमार लौट कर नहीं आया तो राजा सगर ने अपने नवयुवक पौत्र अंशुमान को उनका पता लगाने के लिए भेजा। उसने घोड़े का पता लगाया और अपने पूर्वजों की दुर्दशा भी देखी। उसे गरुड़ द्वारा यह भी ज्ञात हुआ कि भस्म हुए राजकुमारों का उद्धार तभी हो सकता है, जब स्वर्गलोक से गंगा जी को पृथ्वी पर लाया जाए और इन सबकी भस्मी का स्पर्श गंगाजल से कराया जाए। अंशुमान ने वैसा ही किया। इसके बाद इसी वंश में आगे चल कर राजा दिलीप के पुत्र भगीरथ परम प्रतापी तथा धर्मात्मा राजा हुए। वह गंगा जी को लाने केलिए गोकर्ण तीर्थ में जाकर कठोर तप करने लगे। उन्होंने अपनी कठोर तपस्या से देवताओं को भी विचलित कर दिया। देवों ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की कि वे भगीरथ को संतुष्ट करे। इसके बाद ब्रह्मा जी देवताओं के साथ राजा के पास गए और उनसे अभीष्ट वरदान मांगने को कहा। भगीरथ ने गंगावरतण की प्रार्थना की। ब्रह्माजी ने प्रार्थना स्वीकार कर ली, किंतु यह भी कहा कि गंगा जी की वेगवती धारा को भूतल पर संभालने का प्रबंध तु6हे करना पड़ेगा। इसके लिए राजा ने घोर तप करके शिवजी को प्रसन्न किया और उन्होंने गंगा की वेगवती धारा को संभालने का कार्य अंगीकार कर लिया। उसके बाद शंकर जी ने अपनी जटा से गंगा जी को रोका और बाद में अपनी जटा को निचोड़ कर बिंदु के रूप में गंगा जी को बाहर निकाला। वह बिंदु शिवजी के निवास स्थान कैलास पर्वत के पास बिंदु सरोवर में गिरा। वहां पर तत्काल गंगाजी सात धाराएं हो गई और वे अलग-अलग दिशाओं में फैल गई।

अथक भागीरथ प्रयत्न

गंगा जी की कृपा से भारत का मानचित्र ही बदल गया है। गंगावतरण के प्रमुख साधक भगीरथ की साधना, तप और अति विकट परिश्रम ने यह अमृत फल प्रदान किया है। उनके इस कठिन प्रयत्न की वजह से ही भगीरथ प्रयत्न एक मुहावरा बन गया है और गंगा जी का एक नाम भागीरथी पड़ गया। गंगावतरण की तिथि गंगा दशहरा के दिन हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी में गंगा स्नान, गंगा पूजन और दान का विशेष महत्व है।

सच्ची आध्यात्मिकता

एक व्यक्ति किसी फकीर के पास साधना सीखने गया। फकीर की चारों ओर बहुत ख्याति थी। उनके आशीर्वाद से बीमार स्वस्थ हो जाते थे और लोगों की परेशानियां दूर हो जाती थीं। दूर-दूर से पीड़ित लोग उनके यहां आते, दुआएं मांगते और प्रसन्न होकर जाते। जब वह आदमी संत के पास पहुंचा तो देखा कि फकीर एक टोकरी में से दाना निकालकर पक्षियों को चुगा रहे थे। उन्हें चुगते देख कर वे बच्चों की तरह खुश हो उठते थे। इस तरह लंबा समय बीत गया। न फकीर ने उस व्यक्ति की ओर देखा और न दाना

चुगाना ही बंद किया। आने वाला परेशान हो गया। वह फकीर की ओर बढ़ा। उसे सामने देखते ही फकीर ने टोकरी उसके हाथों में थमा दी और कहा, अब तुम पक्षियों के साथ आनंद का अनुभव करो। वह व्यक्ति सोचने लगा, कहां तो मैं इनसे आध्यात्मिक साधना का रहस्य जानने आया हूं और ये हैं कि मुझे पक्षियों को दाना चुगाने को कह रहे हैं। फकीर ने उसके मन की बात पढ़ ली। वह बोले, स्वयं की परेशानियों को भूल कर दूसरों को आनंद पहुंचाने का प्रयत्न ही जीवन की हर सिद्धि और आनंद का राज है। यदि तुम स्वयं सुख और आनंद पाना चाहते हो, तो वही दूसरे को भी देना सीखो। तुम यदि यह साध सकोगे तो तुम्हारी सारी साधना हो जाएगी। जो लोग आध्यात्मिकता को किसी खास नियम और जीवनशैली में देखते हैं, वे उसके नैसर्गिक पक्ष से वंचित रह जाते हैं। खरा आध्यात्मिक जीवन दूसरों को सुख बांटने में होता है। उसमें आनंद और खुलेपन का अनुभव होता है। एक छोटे से उदाहरण से वह व्यक्ति आध्यात्मिकता के रहस्य को समझ गया।

अहंकार है पतन का जनक

न तत्र सूर्यो भाति न चन्द्र तारकं नैमा विद्युतो भान्ति कुतो-यम्-अग्निः
तमेव भान्तम्-अनुभाति सर्वंतस्य भासा सर्वम्-इदम् विभाति

अर्थ : वास्तव में सूर्य, चन्द्र, विद्युत आदि में जो प्रकाश है, वह सूर्य, चन्द्र और विद्युत की सत्ता में नहीं है- इन सबका प्रकाशक सर्वाधिष्ठान शुद्ध-चैतन्य ब्रह्म ही है।

कठोपनिषद् में एक सुन्दर आख्यान आता है।

एक समय देवासुर संग्राम में देवताओं की विजय हुई तो उन्हें अहंभाव हो गया। विजय का श्रेय लेने के लिए अग्नि, वायु आदि सभी देवता अपने-अपने पराक्रम का यशोगान करने लगे। देवताओं का इस प्रकार अहंकार बढ़ा हुआ देखकर सर्वनियन्ता परमात्मा ने सोचा कि अहंकार तो पतन का हेतु होता है, इसलिए देवताओं को पतन से बचाने के लिए इनका अहंकार चूर कर देना आवश्यक है। जहां देवगण मिलकर अपनी-अपनी विभूति गाथा गा रहे थे, वहीं आकाश में एक विचित्र आकृति वाला यक्ष उत्पन्न हो गया। देवताओं की दृष्टि उस पर गई तो वे निश्चय नहीं कर सके कि यह क्या है। उन्होंने सोचा कि कहीं कोई दैत्य तो नहीं है।

- उसका पता लगाने के लिए सबने अग्निदेव से कहा कि आप बड़े ही पराक्रमशाली हैं, आप ही जाकर पता लगाइए कि यह कौन है और यहां इसके आने का क्या कारण है। अग्निदेव यक्ष के निकट गये।
- यक्ष ने पूछा कि तुम कौन हो? अग्नि ने बड़े गर्व से कहा - मैं अग्नि हूं और 'जातवेदा' नाम से जगत् में विख्यात हूं। इस प्रकार गर्वीला उत्तर सुनकर यक्ष ने एक तिनका अग्नि के समाने रख दिया और कहा कि इसे जला दो।
- अग्नि ने बार-बार प्रयत्न किया, अपनी पूरी शक्ति लगा दी, पर वह तृण जला नहीं। अग्नि लज्जित होकर वापिस लौट आई, तब देवताओं को बड़ा आश्चर्य हुआ।
- सब ने मिलकर वायु को प्रेरित किया। कहा कि आप भी बड़े प्रभावशाली हैं, आप इसका पता अवश्य ही लगा लेंगे। वायुदेव यक्ष के निकट पहुंचे। यक्ष ने पूछा- तुम कौन है? वायु ने कहा है- हम वायुदेव हैं। यक्ष ने पूछा-तुम्हारी क्या सामर्थ्य है? वायु ने उत्तर दिया- मैं क्षणभर में समस्त भूमण्डल को यहां का वहां कर सकता हूं., चाहे जिसे चाहे जहां उड़ाकर फेंक सकता हूं। यक्ष ने वही तिनका वायु के सामने रख दिया और कहा- इसे उड़ा ले जाओ। वायु ने सरलता से उड़ाना चाहा, तिनका हिला तक नहीं, वायु ने अपना पूरा बल लगाया, पर तिनका उस स्थान से टसमस भी नहीं हुआ। वायु शिथिल होकर लौट आई।

सब देवता बड़े विस्मय और भय में पड़ गये। सब ने मिलकर इन्द्र से कहा- आप देवराज हैं। आप हम सब में बुद्धिमान हैं। यह कोई भयंकर आपत्ति हम लोगों पर आ रही है; कृपा करके युक्तिपूर्वक ढंग से पता लगवाइए कि यह क्या है। इन्द्र अपना पराक्रम बटोरकर यक्ष के समीप पहुंचे। यक्ष ने इनकी इतनी अवहेलना की कि वह इनसे बोला तक नहीं। और वहीं अन्तर्ध्यान हो गया। तब इन्द्र का अभिमान जाता रहा। उसने विनम्र होकर भगवती का ध्यान किया और प्रार्थना की। तब विद्यादेवी ने उमा के रूप में प्रकट होकर इन्द्र को समझाते हुए कहा-'यह यक्ष जो तुम लोगों के सामने प्रकट हुआ था, वह सर्वनियन्ता परब्रह्म परमात्मा ही था; उसी की सत्ता से समस्त जगत सतावान् है; उसी की शक्ति से अग्नि, वायु आदि देवगण शक्तिमान होते हैं; उसी के प्रकाश से सूर्य,चन्द्र में प्रकाश है, उसी की शक्ति से ही आप लोग शक्तिमान् हैं ; यह जो आप लोगों की विजय हुई है, वह उसी की विजय है। आप लोगों को अनावश्यक अहंकार हो गया था, इसी हेतु से आपका दर्पदलन करने के हेतु वह यक्ष के रूप में प्रकट हुआ था। आप लोगों को चाहिए कि जिसकी इच्छा के विरुद्ध एक तृण भी नहीं हिल सकता, जो सूर्य, चन्द्र आदि सबको अपने प्रकाश से प्रकाशित कराता है, उसी सर्वाधिष्ठान स्वप्रकाश परब्रह्म परमात्मा की ही प्रधानता मानें, व्यर्थ का अहंभाव अपने मन में न आने दें।'

अक्खड़, निडर और संत कवि कबीरदास

कबीर समाज में फैले आडम्बरों के सख्त विरोधी थे। उन्होंने सबको एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया। वह लेखक और कवि थे। उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते हैं। कबीर ने जिस भाषा में लिखा, वह लोक प्रचलित तथा सरल थी। उन्होंने विधिवत शिक्षा नहीं ग्रहण की थी, इसके बावजूद वे दिव्य प्रतिभा के धनी थे।

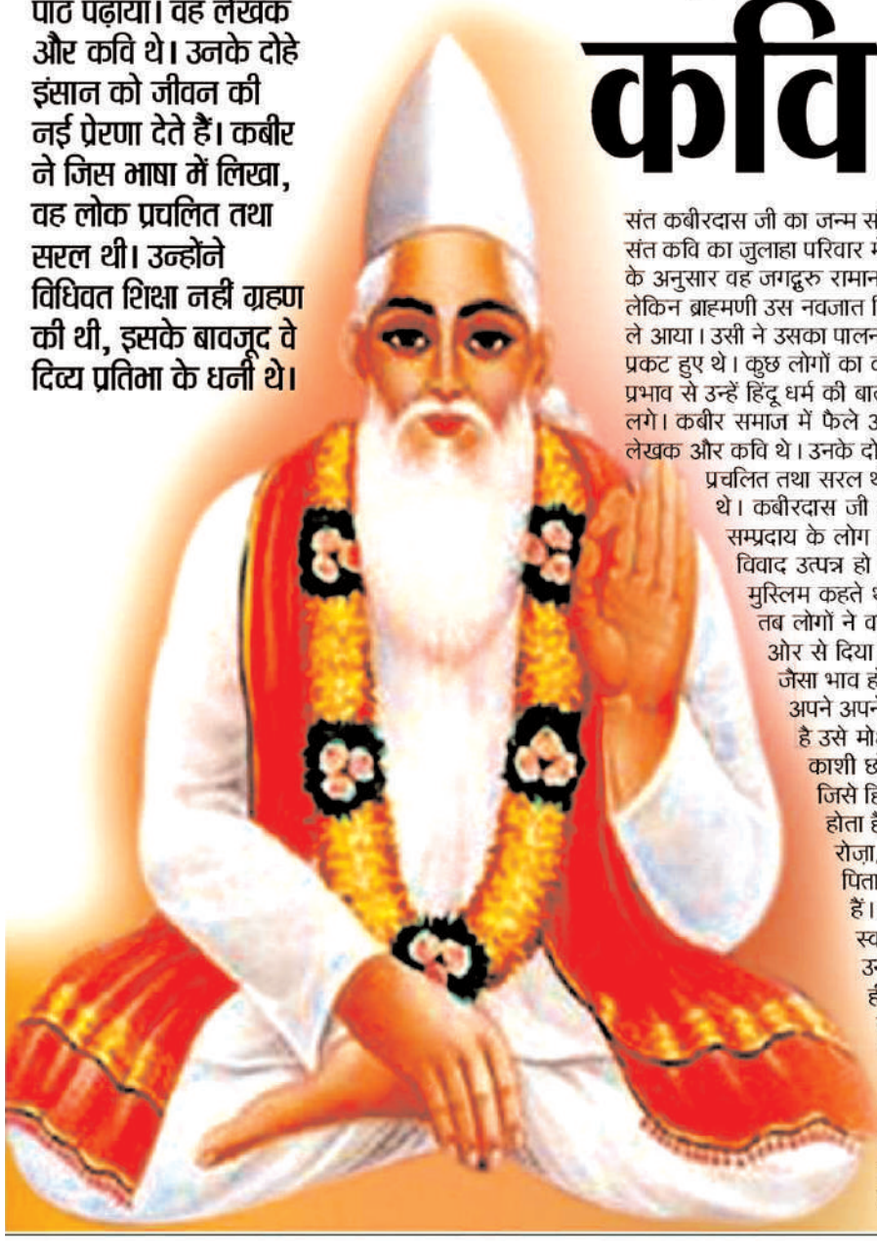

संत कबीरदास जी का जन्म संवत् 1455 की ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था। काशी के इस अक्खड़, निडर एवं संत कवि का जुलाहा परिवार में पालन पोषण हुआ। उनके जीवन के बारे में कई तरह की मान्यताएं हैं जिनमें एक के अनुसार वह जगद्गुरु रामानन्द स्वामी के आशीर्वाद से काशी की एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे लेकिन ब्राह्मणी उस नवजात शिशु को लहरतारा ताल के पास फेंक आयी। उसे नीरु नाम का जुलाहा अपने घर ले आया। उसी ने उसका पालन-पोषण किया। एक प्राचीन ग्रंथ के अनुसार भक्तराज प्रहलाद ही कबीर के रूप में प्रकट हुए थे। कुछ लोगों का कहना है कि कबीर जन्म से ही मुसलमान थे और युवावस्था में स्वामी रामानन्द के प्रभाव से उन्हें हिंदू धर्म की बातें मालूम हुईं। कबीर संत रामानंद के शिष्य बने गये और समाज में अलख जगाने लगे। कबीर समाज में फैले आडम्बरों के सख्त विरोधी थे। उन्होंने सबको एकता के सूत्र का पाठ पढ़ाया। वह लेखक और कवि थे। उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते हैं। कबीर ने जिस भाषा में लिखा, वह लोक प्रचलित तथा सरल थी। उन्होंने विधिवत शिक्षा नहीं ग्रहण की थी, इसके बावजूद वे दिव्य प्रतिभा के धनी थे। कबीरदास जी को हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही सम्प्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों सम्प्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किन्तु छीना झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई तब लोगों ने वहां फूलों का ढेर पड़ा देखा जिसे सभी धर्मों में समानता प्राप्त है। यह कबीर जी की ओर से दिया गया संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए, सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव होना चाहिए। बाद में वहां से आधे फूल हिंदुओं ने ले लिये और आधे मुस्लिमों ने और अपने अपने तरीके से अंतिम संस्कार किया। काशी के बारे में कहा जाता है कि जो यहां मरता है उसे मोक्ष प्राप्त होता है। लेकिन कबीर इस बात को नहीं मानते थे। अपने अंतिम समय वह काशी छोड़ मगहर चले गये और वहीं देह त्याग किया। मगहर में ही कबीर की समाधि है जिसे हिन्दू मुसलमान दोनों ही धर्मों के लोग पूजते हैं।कबीर का अर्थ अरबी भाषा में महान होता है। वह एक ही ईश्वर को मानते थे और कर्मकाण्ड के घोर विरोधी थे। अवतार, मूर्ति, रोज़ा, ईद, मसजिद, मंदिर आदि को वह नहीं मानते थे। कबीर परमात्मा को मित्र, माता, पिता और पति के रूप में देखते थे क्योंकि यही लोग मनुष्य के सर्वाधिक निकट रहते हैं। कबीर की कवि ताओं का एक-एक शब्द पाखंडवाद और धर्म के नाम पर ढोंग व स्वार्थपूर्ति पर वार करता है। उन्होंने स्वयं ग्रंथ नहीं लिखे, उन्होंने जो मुंह से बोला उनके शिष्यों ने उसे लिख लिया। कबीर के समस्त विचारों में राम-नाम की महिमा ही प्रतिध्वनित होती है। कबीर की वाणी का संग्रह बीजक के नाम से प्रसिद्ध है। इसके तीन भाग हैं- रमैनी, सबद और साखी। इनके नाम पर कबीरपंथ नामक संप्रदाय भी प्रचलित है। कबीरपंथी इन्हें एक अलौकिक अवतारी पुरुष मानते हैं और इनके संबंध में बहुत सी चमत्कारपूर्ण कथाएं भी सुनी और सुनाई जाती हैं। कबीर का विवाह वनखेड़ी बैरागी की पालिता कन्या लोई के साथ हुआ था। कहा जाता है कि कबीर की कमाल और कमाली नाम की दो संतानें थीं। ग्रंथ साहब के एक श्लोक से विदित होता है कि कबीर का पुत्र कमाल उनके मत का विरोधी था। कमाली का उल्लेख उनकी बानियों में कहीं नहीं मिलता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 22 मई 2024

निगम जोन 10 ने कैनाल लींकिंग रोड में अवैध अतिक्रमण हटाया

रायपुर (विसं)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग एवं सभी जोनों के नगर निवेश विभाग की टीमों द्वारा अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही की जा रही है. आज नगर निगम जोन 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन के तहत कैनाल लींकिंग रोड में भगवान झूलेलाल की मूर्ति के पास किये गए अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर के मध्य चल रही द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों को कंफर्म सीट के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर के मध्य 08291/08292 बिलासपुर-यशवंतपुर-बिलासपुर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन 30 मई 2024 तक (09 फेरे) किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुये इस गाड़ी के परिचालन का विस्तार 17 जून 2024 तक (05 फेरे) किया जा रहा है। इस दौरान ये गाडियाँ दोनों दिशाओं में अतिरिक्त 05-05 फेरे के लिए चलेगी। परिचालन में विस्तार होने के बाद गाड़ी संख्या 08291 बिलासपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस, बिलासपुर से 01, 04, 08, 11 व 15 जून 2024 को (प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार) को अतिरिक्त 05 फेरे के लिए तथा गाड़ी संख्या 08292 यशवंतपुर-बिलासपुर समर एक्सप्रेस, यशवंतपुर से 03, 06, 10, 13 व 17 जून 2024 को (प्रत्येक सोमवार व गुरुवार) को अतिरिक्त 05 फेरे के लिए चलाई जाएगी।

उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जोरताल पहुंचकर सड़क हादसे में मृत पुलिस जवान को दी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। उप-मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा क्षेत्र के ग्राम जोरताल पहुंचकर दिवंगत पुलिस जवान नेतराम सिंह धुर्वे को श्रद्धांजलि अर्पित की। पांडातराई थाना में पदस्थ आरक्षक नेतराम सिंह धुर्वे की बीती रात सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जब वे ड्यूटी कर कवर्धा लौट रहे थे। उप-मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने श्री धुर्वे के परिवार जनों के बीच पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की। ज्ञात हो कि सोमवार रात कवर्धा के पास सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस जवानों के साथ एक ही स्थान पर एक के बाद एक तीन एक्सीडेंट हुए। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी के अनुसार पांडातराई थाना में पदस्थ आरक्षक नेतराम धुर्वे ड्यूटी कर वापस कवर्धा लौट रहे थे तभी एक ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। उनके एक्सीडेंट की सूचना पर सिटी कोतवाली से पुलिस टीम मदद के लिए पहुंची, लेकिन तेज बारिश के कारण उन्हें कुछ दिखाई नहीं दिया और कोतवाली पुलिस की गाड़ी भी ट्रक से टकरा गई। इसके बाद डायल 112 वाहन मौके पर पहुंचा, उसमें सवार पुलिस के जवान गाड़ी से नीचे उतरते उससे पहले ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें पीछे से ठोक दिया। इस तरह उसी स्थान पर एक के बाद एक तीन दुर्घनाओं में आरक्षक नेतराम धुर्वे की मृत्यु हो गई तथा एएसआई कौशल साहू, विजय कश्यप और डायल 112 के आरक्षक व ड्राइवर घायल हो गए।

मतगणना केंद्रों में पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन व मतगणना अभिकर्ताओं के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्याशियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाएगा कैल्कुलेटर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतगणना के दिन मतगणना केंद्रों में पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं और मतगणना अभिकर्ताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मतगणना हॉल के भीतर मतगणना के परिणाम का योग करने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता को एक-एक एनालॉग केल्कुलेटर प्रदान करने की व्यवस्था करने को कहा है।

मतगणना हॉल के भीतर पासधारी अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ताओं व मतगणना अभिकर्ताओं को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी। मतगणना परिसर के बाहरी गेट पर खान-पान की व्यवस्था के लिए अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा नियुक्त व्यवस्थापक के माध्यम से भोजन पैकेट उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे मतगणना हॉल के भीतर नियुक्त किसी एक मतगणना अभिकर्ता द्वारा प्राप्त कर अन्य मतगणना अभिकर्ताओं को प्रदान किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को अभ्यर्थियों और निर्वाचन अभिकर्ताओं को इन व्यवस्थाओं से अवगत कराने के साथ ही इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए हैं।

मतगणना हॉल के भीतर ये सामग्री ले जा सकेंगे पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ता- कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केन्द्रों में प्रयोग में लाई गई है, प्लास्टिक पेन या पेंसिल

ये सामग्री रहेंगी प्रतिबंधित- मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटका प्रतिबंधित रहेगा।

वन अपराध रोकने वन मुख्यालय ने राज्य शासन को भेजा 2955 पदों का प्रस्ताव

रायपुर (आरएनएस)। वन मुख्यालय ने राज्य शासन को वन अमले में 21 साल बाद सेटअप रिव्यू का प्रस्ताव भेजा है। एसीएस वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभागीय कामकाज में असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सेटअप रिव्यू आवश्यक हो गया है। पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार 3243 पदों की वृद्धि मांगी गई थी। ये पद वन मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, वन्यप्राणी, वन अनुसंधान संस्थान के सेटअप को शामिल करते हुए मांगे गए थे। इसे पुन: संशोधित कर कुल 2955 पदों का प्रस्ताव भेजा गया है।

मुख्यालय सेटअप की स्वीकृति वर्ष 2001 में तथा मैदानी सेटअप की स्वीकृति वर्ष 2003 में दी गई थी। इसके बाद से विभागीय सेटअप का पुनरीक्षण नहीं हुआ है। वन विभाग को छोड़ अन्य विभाग, जिसमें पंचायत सहित स्वास्थ्य, श्रम, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, नगरीय प्रशासन विभाग में 300 से सौ प्रतिशत तक सेटअप की वृद्धि की गई है। बीते 21 सालों में वन विभाग में महज 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में अन्य राज्यों की तुलना में कम अमला स्वीकृत है, जबकि राज्य का 44 प्रतिशत भू-भाग वनक्षेत्र है। राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में कई अन्य योजनाएं कैंपा, राष्ट्रीय बांस मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन, वन विकास अभिकरण, ग्रीन इंडिया मिशन, मनरेगा, जनसूचना चालू होने के कारण कार्यभार में वृद्धि हुई है।

विधायक भावना बोहरा ने कुकदुर हादसे में मृतकों के बच्चों को लिया गोद, शिक्षा, विवाह और रोजगार तक जिम्मेदारी उठाने का दिया भरोसा

रायपुर (विश्व परिवार)। सोमवार को पंडरिया के वनांचल क्षेत्र कुकदुर के ग्राम बाहपानी में हुए भीषण सड़क हादसे में अपनी जान गंवाने वाले 19 आदिवासियों के परिवार के बच्चों को विधायक भावना बोहरा ने गोद लेने की घोषणा की है। विधायक भावना बोहरा ने आज मृतकों के परिवारजनों से उनके निवास जाकर भेंट किया और उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान भावना बोहरा बहुत ही भावुक दिखीं उन्हें देखकर हताहत परिवारजनों ने भी गले लगाकर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

भावना बोहरा ने कहा कि यह बहुत ही दुखद व पीड़ादायक घटना है। जब परिवार का एक सदस्य जाता है तो पीड़ा होती है और उसकी कमी कभी पूरी नही हो सकती। विगत वर्षों में कुकदुर क्षेत्र के आदिवासी भाई-बहनों ने हमेशा ही मुझे एक परिवार की भांति स्नेह व सहयोग दिया है। आज यहां इस दुख की घड़ी में, मैं उन सभी परिवारजनों के साथ हूँ इसलिए हमने निर्णय लिया है कि इस हादसे में जिन बच्चों के सिर से परिजनों का साया उठ गया हैं, जिनके माता-पिता ने इस हादसे में अपनी जान गंवाई है उनके परिजन की भूमिका हम निभाएंगे।

भावना बोहरा ने बताया कि हादसे में दिवंगत हुए 19 लोगों के करीब 24 बेटा-बेटियों के आगे की शिक्षा, उनके रोजगार एवं विवाह तक कि सारी जिम्मेदारी वे स्वयं अपने भावना समाजसेवी संस्थान के माध्यम से उठाएंगी। पंडरिया विधानसभा मेरा परिवार है और जब परिवार पर विपदा आती है तो उनके दुख में उनके साथ रहना मेरी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी। मैं उनके परिजनों की कमी तो पूरी नही कर सकती लेकिन उनके सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास जरूर कर सकती हूं इसलिए हमने यह निर्णय लिया है।

विदित हो कि घटना होने के दिन विधायक भावना बोहरा झारखंड प्रवास पर थीं। उन्हें जैसे ही घटना की जानकारी प्राप्त हुई उन्होंने तत्काल अपने सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया।

वनमंत्री केदार कश्यप ने की कवर्धा पहुँचकर पीड़ित परिवारों से भेंट

सरकार पीड़ित परिवारों के साथ, हरसंभव मदद की जाएगी : केदार कश्यप

कवर्धा/रायपुर (विश्व परिवार)। कवर्धा में कुकदूर थाना क्षेत्र में घटित सड़क दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। आज छत्तीसगढ़ के वनमंत्री केदार कश्यप ग्राम सेमरहा पहुँचकर पीड़ित परिवारों से भेंट किये।केदार कश्यप ने सड़क दुर्घटना को लेकर कहा की यह बहुत ही हृदय विदारक घटना है और निश्चित तौर पर जो क्षति हुई है। उस क्षति को कोई पूरा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यहां सभी हमारे आदिवासी समाज के भाई बहन हैं। हम यहां पर मंत्री होने के नाते नहीं बल्कि सामाजिक होने के नाते हम उपस्थित हुए हैं। यहां हमारे समाज के सभी लोगउपस्थित हैं और हमारे यहां के विधायक जी भी यहां पर उपस्थित हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने भी संवेदना प्रकट किया है। प्रधानमंत्री जी राष्ट्रपति जी ने भी गहरी संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा हमारी कोशिश रहेगी की सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं उन योजनाओं का लाभ इनको दिया जाए और उनके परिवार के आर्थिक दृष्टि से मदद की जाए। बच्चों के लालन पालन के दृष्टि से, उनके शिक्षा-दीक्षा को लेकर सरकार की ओर से हर संभव सहायता की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था का रखें ध्यान, लापरवाही नही बरते : केदार कश्यप ने कहा कि हम इस बात की कोशिश करेंगे की इस तरह से घटना दोबारा ना घटित हो और जो क्षेत्र में जाकर तेंदूपत्ता तोड़ने का काम करते हैं वहां के लिए निर्देश लेकर के आएंगे और यह तो यहां पर चलन में है। यहां से निकल करके दूसरे स्थान पर जाकर तेंदूपत्ता तोड़ते हैं। तेंदूपत्ता आदिवासी समाज के जीविका का बहुत बड़ा माध्यम है और हम लोगों का तो जीवन जंगल पर आधारित है, वन उपज पर आधारित है। भाजपा सरकार ने तो उचित मूल दिया है और कोशिश होगी कि हम उनको और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएं।

समर कैंप : स्टील प्लांट में लंबी रेल पात बनते देख बच्चे हुए रोमांचित

सरकारी स्कूलों के 100 से अधिक बच्चों ने देखा स्टील पावर प्लांट

रायपुर (विश्व परिवार)। रायगढ़ के स्कूली बच्चे समर कैंप के दौरान आयोजित किए गए शैक्षणिक भ्रमण में स्टील प्लांट और पावर प्लांट देखकर हुए रोमांचित। जिला प्रशासन रायगढ़ की पहल पर शासकीय स्कूल के बच्चों को स्टील प्लांट का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान स्कूली बच्चों को स्टील उत्पादन से जुड़ी पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी गई तथा स्टील प्लांट का अवलोकन कराया गया। इन बच्चों ने पावर प्लांट का भी भ्रमण किया।

इस अवसर पर स्टील पावर प्लांट के तकनीकी विशेषज्ञों के द्वारा बच्चों को रॉ मैटेरियल उत्पादन, रॉ मैटेरियल्स एरिया, ओर से आयरन बनाने की प्रोसेस, ऑक्सिजन प्लांट, लम्बी रेल पात बनाने की विधि, लोहे से प्लेट बनाने, लोहे और कोयले की मिक्सिंग, कीलन, कोल वासरी आदि को प्रत्यक्ष दिखाया और इसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

गौरतलब है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार सरकारी स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। रायगढ़ जिला कलेक्टर श्री कार्तिकेय गोयल के निर्देश एवं मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में 09 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। रायगढ़ जिले में कलेक्टर के विशेष पहल पर विशेष समर कैंप कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रायगढ़ शहरी क्षेत्र में शासकीय हाई स्कूल चांदमारी, स्वामी आत्मानंद चक्रधर नगर, हाई स्कूल राजीव गांधी नगर, हायर सेकंडरी स्कूल जूट मिल, शासकीय नटवर, हायर सेकंडरी कन्या शाला स्कूल के लगभग 100 से अधिक बच्चों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों ने आज स्टील एवं पावर प्लांट का भ्रमण कर विभिन्न प्रकार की मशीनों प्रक्रिया उत्पादन आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

प्रदेश में खुलेंगे 14 नए बीएड कॉलेज, मिली मंजूरी

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से प्रदेश में 14 नए बीएड महाविद्यालय खोले जाएंगे। इन नए बीएड महाविद्यालयों में सिर्फ 4 वर्षीय पाठ्यक्रमों का ही संचालन होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को बंद किया जाना है।

इसके स्थान पर चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू होगा। इसके अंतर्गत बीए-बीएड, बीएससी-बीएड तथा बीकॉम-बीएड का संचालन किया जाना है। छात्र इसमें 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सीधे प्रवेश ले सकेंगे। सूत्रों के अनुसार, चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए नए कॉलेज खोलने आवेदन उन्हीं महाविद्यालयों द्वारा किया गया है, जहां पहले से ही दो वर्षीय बीएड कोर्स संचालित हैं।

यहां बारहवीं के बाद छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। बीएससी-बीएड में विज्ञान और गणित संकाय के छात्र दाखिला ले सकेंगे। इसी तरह से बीकॉम-बीएड में कॉमर्स संकाय के छात्र दाखिला लेंगे। बीए- बीएड में कला संकाय के साथ ही अन्य संकाय के छात्रों को भी प्रवेश दिया जाएगा। अनुमति के लिए आवेदन करने वाले निजी महाविद्यालयों के अतिरिक्त पं. रविशंकर शुक्ल विवि में भी मौजूदा शैक्षणिक सत्र से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम की शुरुआत की जा रही है।

प्रदेश में बीएड के 135 महाविद्यालय हैं। इनमें मात्र चार ही शासकीय हैं, जो रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर और कांकेर में स्थित है। वर्तमान में बीएड की प्रदेश में 14 हजार 600 सीटें हैं। यहां दो वर्षीय बीएड के साथ डीएलएड का संचालन हो रहा है। प्राइवेट बीएड कॉलेज एसोसिएशन के संयोजन राजीव गुप्ता के अनुसार, जिन नए महाविद्यालयों ने मान्यता के लिए आवेदन किया है वहां शुरुआत में 100-100 मिलने की उम्मीद है। शासन स्तर पर एनओसी मिलने के बाद राष्ट्रीय अध्यापक परिषद द्वारा कॉलेजों को संबद्धता प्रदान की जाएगी।

कृषि जैव विविधता में छत्तीसगढ़ : एक महत्वपूर्ण प्रदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। दुनिया के जैव विविधता के मुद्दों को बढ़ावा देने और जैव विविधता के संरक्षण और उचित उपयोग के लिए बनाए जा रहे सतत विकास लक्ष्यों को अपनाने के लिए हर साल 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है इस क्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ अपने माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में कृषि-जैव विविधता संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए इसके सतत उपयोग के क्षेत्र में काम कर रहा है। विश्वविद्यालय में अनेक अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परियोजनाएँ संचालित की जा रही हैं। पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली किसानों की विभिन्न फसलों की किस्मों को सुरक्षा प्रदान करती है इसी श्रृखला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने कुल 1830 पौधा किस्मो के पंजीकरण के आवेदन जमा किये हैं जिनमे से 526 कृषक प्रजातियों को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया जा चुका है. पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण विशेष गुणों वाली दुर्लभ भूमि प्रजातियों का संरक्षण करने वाले प्रमुख किसानों को पुरस्कारों से सम्मानित किया करती है। कृषक प्रजातियाँ युगों से कृषको द्वारा उपयोग की जा रही है इसलिए यह किस्मे विशेष गुणों से ओत-प्रोत है तथा इनमे जलवायु परिवर्तन से जूझने के गुण मौजूद हैं. ऐसी ही किस्मो के संरक्षण करने के लिए पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के कुल 17 किसानों को पुरस्कार दिये गये हैं, जिसमें 02 कृषक सामुदायों को 10-10 लाख रुपए का पुरस्कार, 06 कृषकों को 1.5-1.5 लाख रूपये, 09 किसानों को 1 लाख रूपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने राज्य में कुल 09 जैव विविधता हॉटस्पॉट की पहचान की गई है जहाँ असीमित जैव विविधता की विवेचना की गई है तथा छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र को देश के मेगा जैव विविधता हॉटस्पॉट बनाने के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए), चेन्नई को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। विश्वविद्यालय की संयुक्त राष्ट्र वैश्विक पर्यावरण वित्त पोषित परियोजना के माध्यम से किसानों की किस्मों को मुख्यधारा में लाया गया तथा कृषक किस्मो को बौना और शीघ्र पकने वाली किस्म के रूप में, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के सहयोग से विकसित किया गया है। हाल ही में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने जर्मप्लाज्म से विकसित जलवायु स्मार्ट किस्मों, टीसीडीएम-1 (छोटी ऊंचाई और प्रारंभिक दुबराज), विक्रम टीसीआर (छोटी ऊंचाई और अवधि सफ़री -17), टीसीवीएम (छोटी और प्रारंभिक विष्णुभोग), बाउना लुचाई (छोटी और प्रारंभिक) के साथ आए। लुचाई), टीसीएसएम (अधिक उपज देने वाली और मजबूत कद वाली सोनागाथी)। कृषि-जैव विविधता के उत्सव में एक विशेष योगदान संजीवनी चावल है जो राज्य और देश की पहली औषधीय चावल किस्म है जो शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने और कैंसर कोशिका की वृद्धि को रोकने में सक्षम साबित हुई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को जर्मप्लाज्म के उपयोग के लिए दो पुरस्कार जीते हैं, पहला डॉ. एस. के. वासल पुरस्कार 2022 और दूसरा वार्षिक चावल समूह बैठक नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार 2023। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ इसी तारात्यम में सैदव कृषको का विकास कृषको के साथ करने की अभिलाषा रखता है.

इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ चेप्टर का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), श्री यशवंत कुमार द्वारा इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इंडिया (आईपीएआई) के छत्तीसगढ़ चेप्टर का शुभारम्भ किया गया। श्री यशवंत कुमार आईपीएआई-छत्तीसगढ़ चेप्टर के पदेन-अध्यक्ष भी हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का कार्य, समन्वित रूप से अब तक मध्यप्रदेश चेप्टर, भोपाल द्वारा संचालित किया जाता था।

गौरलतलब है कि इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इंडिया (आईपीएआई) की स्थापना वर्ष 1966 में एक सोसायटी के रूप में की गई थी, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के लेखांकन, ऑडिटिंग और सार्वजनिक वित्त क्षेत्रों की विशेषज्ञ सेवाएं शामिल हैं। देशभर में पेशेवर सेवाएं प्रदान करने वाली इस संस्था के 18 क्षेत्रीय कार्यालय और 2600 से अधिक सदस्य हैं।

वर्तमान में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री गिरीश चंद्र मुर्मू, आईपीएआई के पदेन-संरक्षक और भारत सरकार के पूर्व विशेष सचिव डॉक्टर सुभाष चंद्र पाण्डेय (सेवानिवृत्त आईएएस), अध्यक्ष हैं। भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा (आईएएस), भारतीय नागरिक लेखा सेवा (आईसीएस), भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस), भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस), भारतीय भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस), भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी संवर्ग के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारीगण, इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पब्लिक आडिटर ऑफ इंडिया (आईपीएआई) के सदस्य होते हैं।

बेटे को सांप से बचाने मां ने जीवन दांव पर लगाया, इलाज के दौरान दोनों की मौत

जांजगीर (विश्व परिवार)। अपने छह साल के बेटे को सांप से बचाने मां ने जीवन दांव पर लगा दिया। सांप बच्चे को डस चुका था। सांप को बच्चे से दूर करने के प्रयास में मां भी दंश की शिकार हो गई। परिवार के लोग दोनों को अस्पताल लेकर गए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। मां-बेटे दोनों की मौत हो गई। पामगढ़ थाना क्षेत्र के बोरसी गांव की रहने वाली पूजा कुर्रे अपने 6 साल के बेटे आर्यन के साथ घर के कमरे में सो रहे थी। इसी बीच कमरे में एक जहरीला सांप बिस्तर पर आ गया और बच्चे को डस लिया। बच्चे के रोने पर मां ने देखा कि एक सांप बिस्तर पर रेंग रहा है। उसने सांप को बच्चे से दूर करने का प्रयास किया। इस प्रयास में सांप ने उसे भी डस लिया। घटना की जानकारी परिवार के सदस्यों को होने पर वे दोनों को इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354